PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 250 ● भिलाई, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

हथियारों के नेटवर्क का किया भंडाफोड़ दो गिरफ्तार

बटाला। पंजाब पुलिस को मादक पदार्थों और अवैध हथियारों के विरुद्ध अपनी 'शून्य सहनशीलता' की नीति के तहत एक बड़ी सफलता मिली है। बटाला में पुलिस ने सीमा पार मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक रैकेट का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से साढ़े छह किलोग्राम हेरोइन, एक .30 बोर की पिस्तौल, छह कारतूस और एक लाख रुपये नकद बरामद किये। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि बरामद किए गए हथियार नेटवर्क के अन्य सदस्यों को पहुंचाए जाने थे। इस घटना ने एक बार फिर सीमा पार से होने वाली तस्करी और स्थानीय अपराधियों के बीच के खतरनाक गठजोड़ को उजागर किया है। बटाला के सिविल लाइंस पुलिस थाने में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि नशे और हथियारों की यह खेप कहां से आई थी और इसे आगे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

दिग्गज प्लेबैक सिंगर आशा भोसले को कार्डियक अरेस्ट

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री की दिग्गज प्लेबैक सिंगर आशा भोसले के प्रशंसकों को परेशान करने वाली खबर सामने आई है। इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक गाने देने वाली आशा भोसले को शनिवार को कार्डियक अरेस्ट आया है। इसके बाद उन्हें आनन-फानन में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के डॉ. प्रतीत समदानी ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। डॉ. समदानी ने बताया कि आशा भोसले को कार्डियक अरेस्ट आने के बाद तुरंत अस्पताल लाया गया। फिलहाल, उनका इलाज अस्पताल की इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज यूनिट में चल रहा है। आशा भोसले भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और अनुभवी गायिकाओं में से एक हैं। उन्होंने छह दशकों से अधिक समय तक फिल्मों में गायकी की है और हजारों गीतों को अपनी अनोखी आवाज दी है। लता मंगेशकर की बहन आशा भोसले ने अपनी मधुर आवाज से कई पीढ़ियों को मोहित किया है।

कल्याण-मुरबाड हाईवे पर मौत का तांडव

सीमेंट मिक्सर और इको कार की भिड़ंत में 11 की मौत...

नई दिल्ली/ एजेंसी

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार को भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। वैन और सीमेंट मिक्सर गाड़ी की टक्कर होने से 11 लोगों की मौत हो गई। जबकि हादसे में तीन लोग घायल हो गए। यह हादसा सुबह 11:30 बजे मुरबाड के गोविली गांव में रैता पुल पर हुई। पुलिस के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रहे एक सीमेंट मिक्सर से वैन की सीधी टक्कर हो गई। इस टक्कर की भयावहता इतनी अधिक थी कि वैन में सवार नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में रायते पुल पर वैन और सीमेंट मिक्सर के बीच हुई भीषण टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस राहत कार्य और जांच में जुटी है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से एक हृदयविदारक खबर सामने आई है, जहां सोमवार सुबह कल्याण-मुरबाड मार्ग पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब एक सीमेंट मिक्सर और टैक्सी के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा गोविली गांव के पास स्थित रायते पुल पर हुआ। जानकारी के अनुसार, वैन कल्याण से मुरबाड जा रही थी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार सीमेंट मिक्सर के बीच आमने-सामने की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक अबतक कुल 11

लोगों की मौत हो चुकी है और 2 लोग घायल हैं।मुरबाड तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि वैन में सवार 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में आठ पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। अब तक छह मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस के अनुसार, टक्कर की भयावहता इतनी अधिक थी कि वैन में सवार कम से कम 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार को दुर्घटना का एक संभावित कारण माना जा रहा है। पुलिस ने दुर्घटनास्थल पर आनन-फानन में बचाव एवं राहत कार्य जारी किया। हादसे के बाद पुल पर ट्रैफिक जाम हो गया था। पुलिस ने भारी मशक्कत के बाद खुलवाया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, बचाव दल और चिकित्सा टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, यह भयावह दुर्घटना कल्याण-अहिल्यानगर हाईवे के एक पुल पर हुई। यात्रियों से भरी ईको कार कल्याण से मुरबाड की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से उसकी सीधी टक्कर हो गई।

अवैध परिवहन पर उठे सवाल

पुलिस के अनुसार, मृतकों में 7 पुरुष और 4 महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल टिटवाला पुलिस मृतकों के पहचान की प्रक्रिया में जुटी है। इस घटना ने एक बार फिर कल्याण-मुरबाड मार्ग पर नियमों को ताक पर रखकर चलाए जा रहे अवैध यात्री परिवहन के मुद्दे को गंभीर बना दिया है। क्षमता से दोगुने से अधिक यात्रियों को बैठाकर गाड़ी चलाना इस त्रासदी का मुख्य कारण बनकर उभरा है। प्रशासन अब इस मामले में सीमेंट मिक्सर चालक और अवैध परिवहन संचालकों के खिलाफसख्त कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। जोरदार आवाज सुनकर स्थानीय नागरिक तुरंत मदद के लिए दौड़े। सूचना मिलते ही टिटवाला पुलिस और राजमार्ग प्रशासन की टीमें मौके पर पहुँचीं। स्थानीय लोगों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार के मलबे में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।

बंगाल एसआईआर मामले में सूको की सख्त टिप्पणी

आज दो संस्थाओं के बीच सैंडविच बन गया है वोटर

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिमं बंगाल में हुए विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर सोमावार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनावई की। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों पर तब तक अदालत कोई दखल नहीं देगी, जब तक की हार-जीत का अंतर मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन के दौरान बाहर किए गए लोगों की संख्या से कम न हो। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने इसके साथ ही यह भी कहा कि

बंगाल के मतदाता दो संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं। सीजेआई सूर्यकांत के साथ पीठ में बैठे जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता अब अलग-अलग संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं। जस्टिस बागची ने यह टिप्पणी तब की जब चुनाव आयोग ने दलील दी कि न्यायिक अधिकारियों ने तार्किक विसंगति के 47 फीसदी मामलों को खारिज कर दिया है; ये वे अधिकारी थे जिन्होंने चुनाव आयोग द्वारा जारी नोटिसों पर फैसला सुनाया था। कोर्ट ने यह टिप्पणी भी की कि चुनाव आयोग ने ही पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान संदिग्ध मतदाताओं की एक तार्किक विसंगति सूची बनाई थी। बार एंड बेंच के मुताबिक, जस्टिस बागची ने कहा कि यहां बात यह नहीं है कि लक्ष्य साधने के लिए कोई भी तरीका सही है, बल्कि यह है कि सही तरीके से ही लक्ष्य साधा जाना चाहिए।

ये है गाली मुक्त गांव यहां अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर लगता है जुर्माना

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के बोरसर गांव में एक नया नियम लागू किया गया है, जिसके तहत अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर 500 रुपए का जुर्माना या एक घंटे की गांव में सफाई करनी होगी। यह फैसला ग्राम पंचायत ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित करके लिया है। इस नियम की जानकारी देने वाले पोस्टर पूरे गांव में लगाए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य गांव में लोगों के व्यवहार को नियंत्रित करना और विवादों को सुलझाना है। उप सरपंच विनोद शिंदे ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, हमारे गांव में हमने गाली-गलौज के इस्तेमाल को रोकने के लिए एक अच्छी पहल की है।

चुन-चुन कर साधा टीएमसी पर निशाना

जनता को लूटने वालों को बख्शा नहीं जाएगा-शाह...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मियां भी तेज होती जा रही हैं। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला और संकेतों में कड़ी चेतावनी भी दी। बीरभूम जिले के खैरासोल में आयोजित रैली के दौरान शाह ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य की जनता को लूटने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

अमित शाह ने यह भी आरोप लगाया कि 'कट-मनी सिंडिकेट' के जरिए आम लोगों का शोषण किया गया है और भाजपा की सरकार बनने के बाद ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें एक-एक कर सख्त सजा दी जाएगी। उन्होंने यहां तक कहा कि इन लोगों को चुनाव के बाद 'उल्टा लटकाया' जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि जिन लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की हत्या की है या उन्हें प्रताड़ित किया है उन्हें भी कानून के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे लोग अगर भूमिगत (अंडरग्राउंड) भी हो जाते हैं, तब भी उन्हें ढूंढ निकाला जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान गृह मंत्री शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी पर भी निशाना साधा।

विज्ञान भवन में किया ऐलान

भारत एक बड़ा फैसला लेने जा रहा:पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार सुबह 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में शामिल हुए, जहां उन्होंने महिला सशक्तिकरण को लेकर अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने बताया कि लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार भी कार्यक्रम में मौजूद थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े फैसलों में से एक अहम निर्णय लेने जा रहा है। संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है और 16 अप्रैल से महिला आरक्षण पर चर्चा शुरू होगी, जो संसद की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने कहा, यह फैसला नारी शक्ति को समर्पित है, उनके

सम्मान को समर्पित है। हमारा देश एक ऐसा नया इतिहास रचने जा रहा है, जो अतीत के संकल्पों को साकार करेगा और भविष्य के लक्ष्य पूरे करेगा। हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ रहे हैं, जहां सामाजिक न्याय केवल नारा नहीं, बल्कि हमारी कार्यप्रणाली का स्वाभाविक हिस्सा होगा।

किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदेगी सरकार: सीएम सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों की फसलों का एक-एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और किसान-हितैषी बनाने के लिए कई नयी पहल की गयी हैं। मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र की बाबाइन अनाज मंडी में शनिवार को गेहूं खरीद व्यवस्था की समीक्षा की और किसानों से बातचीत कर फसल बिक्री और भुगतान से जुड़े अनुभव जाने। किसानों ने व्यवस्था पर संतोष जताया और सरकार की पहल की सराहना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हामिदपुर निवासी किसान धर्मचंद को सम्मानित भी किया।

काले साम्राज्य पर अब ईडी का बड़ा प्रहार

गॉडमैन 'अशोक खरात पर ईडी का सर्जिकल स्ट्राइक नासिक,पुणे और शिरडी में 11 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

नासिक के खुद को 'गॉडमैन' बताने वाले अशोक खरात के काले साम्राज्य पर अब केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ा प्रहार किया है। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही ईडी की मुंबई ज़ोन-II टीम ने सोमवार (13 अप्रैल 2026) की सुबह से ही महाराष्ट्र के कई शहरों में एक साथ छापेमारी शुरू कर दी है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 की धारा 17 के तहत की जा रही है। यह मामला 6 अप्रैल 2026 को दर्ज प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट पर

आधारित है, जिसका मूल नासिक के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज उस एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें खरात पर जबरन वसूली और धार्मिक भावनाओं के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगे थे। ईडी की जांच में यह सनसनीखेज तथ्य सामने आया है कि अशोक खरात ने नासिक की दो को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटियों में भारी संख्या में फर्जी बैंक खाते खुलवाए थे। ये खाते भले ही अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर थे, लेकिन उन सभी में खरात खुद 'नॉमिनी' के तौर पर दर्ज था। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन सभी खातों से खरात का अपना मोबाइल नंबर लिंक था, जिससे वह पूरी बैंकिंग गतिविधियों को अकेले नियंत्रित करता था। अशोक खरात का ठगी का तरीका काफी शातिर था। वह साधारण वस्तुओं को 'चमत्कारी और आशीर्वाद वाली वस्तु' बताकर लोगों को बेचता था और दावा करता था कि इनमें बीमारियां ठीक करने की शक्ति है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए उसके 58 वीडियो इस बात के गवाह हैं कि किस तरह मासूम लोगों से करोड़ों रुपये वसूले गए। ईडी के अनुसार, इस ठगी के पैसे को सफेद करने के लिए बड़े पैमाने पर जमीनों में निवेश किया गया।

नोएडा से लेकर फरीदाबाद तक हाहाकार

सैलरी संग्राम में धधक उठी सड़कें,नाराज वर्कर्स ने वहां खड़ी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया...

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली से सटे दो सबसे बड़े औद्योगिक केंद्रों, नोएडा और फरीदाबाद में आज सुबह जो मंजर देखने को मिला, उसने पूरे एनसीआर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। सोमवार का दिन धुएं, पत्थरबाजी और आक्रोशित नारों की भेंट चढ़ गया। वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले तीन दिनों से सुलग रहा गुस्सा आज बेकाबू होकर सड़कों पर उतर आया। नोएडा के फेज-2 और सेक्टर-84 के इलाकों में हालात उस वक्त तनावपूर्ण हो गए जब प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण धरने को छोड़कर उग्र हो गए। मांगों पर सुनवाई न होने से नाराज वर्कर्स ने वहां खड़ी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। देखते ही देखते हिंसा की लपटें सेक्टर-59, 60 और 62 तक फैल गईं। जहां एक तरफ हिंसा बड़े इलाके में फैल गई, वहीं फैक्ट्रियों में काम पूरी तरह ठप हो गया। कई जगहों पर पत्थरबाजी कर वाहनों के शीशे तोड़ दिए गए हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि प्रशासन को

माहौल नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल के साथ-साथ पीएसी और आरएएफ की तैनाती करनी पड़ी है। फरीदाबाद के सेक्टर-37 में भी तनाव चरम पर है, जहां मदरसन जैसी बड़ी कंपनियों के मजदूर काम छोड़कर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस पूरे बवाल के पीछे की मानवीय कहानी को समझना भी जरूरी है। प्रदर्शन में शामिल महिला कर्मचारियों में से एक वर्कर सीमा (परिवर्तित नाम) का कहना है कि आज के दौर में जब सिलेंडर और सब्जियां आसमान छू रही हैं, तब पुराने वेतन में गुजारा करना नामुमकिन हो गया है। कर्मचारियों की मांग बहुत स्पष्ट है- उन्हें कम से कम 20,000 रुपये का वेतन चाहिए। उनका आरोप है कि जब उन्होंने अपने हक के लिए आवाज उठाई, तो उनके साथ मारपीट की गई। यही वह चोट और अपमान का अहसास है जिसने इस आंदोलन को इतना हिंसक बना दिया है कि कर्मचारी अब किसी भी मौखिक आश्वासन को मानने को तैयार नहीं हैं। वे अब प्रशासन और कंपनियों से लिखित गारंटी मांग रहे हैं। इस अशांति का सीधा असर उन हजारों लोगों पर पड़ा है जो रोजाना इन रास्तों से अपने दफ्तर पहुंचते हैं। सेक्टर-60 और 62 के आसपास मुख्य मार्गों पर जाम लग जाने से ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नोएडा पुलिस ने स्थिति को देखते हुए तत्काल ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

बिहार को कल मिलेगा नया सीएम

सम्राट चौधरी,नित्यानंद राय या कोई और.....

नई दिल्ली। बिहार के सियासत के लिए मंगलवार, 14 अप्रैल का दिन बेहद ही खास होने वाला है। राज्य की सत्ता पर लगभग दो सालों से एकक्षत्र राज करने वाले नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। नई सरकार के गठन को लेकर पटना में राजनीतिक हलचल तेज है। इसी बीच एनडीए विधयक दल की अहम बैठक बुलाई है। इस बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ऑब्जर्वर के तौर पर पहुंचेंगे। गौरतलब है कि भाजपा ने रविवार को उन्हें बिहार में पार्टी का नेता चुनने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर नियुक्त

किया। 14 अप्रैल को शाम 4 बजे पटना के विधानसभा भवन के सेंट्रल हॉल में एनडीए के सभी विधायक एक साथ बैठेंगे। इसे विधायक दल की बैठक कहते हैं। इसी अहम बैठक में यह फाइनल होगा कि नीतीश कुमार के बाद बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा।

कमीशन के चक्रव्यूह में फंसा पार्षद, निगम में पड़ा अलग-थलग

महापौर की गिद्ध दृष्टि पार्षदों सहित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर

धमतरी। निगम चुनाव होने के बाद से शहरवासियों को यह उम्मीद थी कि उन्हें मूलभूत सुविधाओं के लिये तरसना नहीं पड़ेगा और हमारी हर लंबित मांग पूरी होगी। लेकिन इनका यह सोचना उस वक्त काफूर की तरह उड़ गया जब यहां एक अधिकारी की नियुक्ति हुई, तबसे लेकर शहर विकास थम सा गया है। लोगों की समस्याएं दूर नहीं हो रही है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि, अपने वार्डवासियों को हर संभव उनकी समस्याओं के निदान का आश्वासन देकर चुनाव में विजय प्राप्त किये हैं। लेकिन आज ऐसे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उक्त अधिकारी के रवैये से वार्डवासियों से खरी-खोटी सुनना पड़ रहा है। उक्त अधिकारी जबसे यहां पदस्थ हैं, तबसे निर्माण कार्य हो, अथवा सप्लाई का आदेश, उनकी अनुमति के बिना किसी अन्य को नहीं मिल पाता। खबर के मुताबिक इनके कार्यकाल में जितने भी काम और सप्लाई हुए हैं उसमें अधिकांश उक्त अधिकारी के परिचितों को ही स्थान दिया गया है। कमीशनखोरी के नाम पर निगम अब चर्चा के दायरे में आ चुका है। खबर के मुताबिक इस चक्रव्यूह में सत्तापक्ष से जुड़े एक पार्षद पर भी यह आरोप लग रहे हैं जिसके चलते अन्य पार्षदों की तुलना में यह पार्षद अलग-थलग पड़ चुका है। शहर के पितामह कहे जाने वाले निगम में जबसे उक्त अधिकारी पदस्थ हुए हैं, इन पर एकला चलो नीति का आरोप लग चुका है। निर्वाचित पार्षदों द्वारा कोई भी समस्याओं को लेकर विचार मंथन किया जाता है तो वे कन्नी काट जाती हैं। इनका पिछले दिनों एसआईआर के समय अचानक छुट्टी पर चले जाना और लिये गये अवकाश के पूर्व आकर पुनः पदभार संभाल लेना, इस अवधि में नगर के नागरिकों को एसआईआर के संबंध में इधर उधर भटकते देखा गया। इन्होंने अवकाश पर जाने से पूर्व किसी को अपना प्रभार भी नहीं सौंपा। निगम द्वारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में लगने वाले बेलिंग मशीन जिसकी लागत 40 लाख है जिसे जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी किया गया, इससे पूर्व डोर टू डोर कचरा संग्रहण करने के लिये 20 लाख रूपये की लागत से जो रिक्शा खरीदी की गई थी जो कि निविदा शर्तों के अनुरूप नहीं होने के कारण एमआईसी में यह निर्णय लिया गया था कि इस रिक्शे को तत्काल वापस किया जाये। इसके बाद भी इन्होंने उक्त रिक्शा वापस नहीं किया है और उक्त रिक्शा आज भी गैरेज की शोभा बढ़ा रहा है जिसे देखकर लोग चटकारे लगाते हैं। वहीं निगम सूत्रों का यह भी कहना है कि अधिकारी की जिद् है

कि उक्त रिक्शे को मैं वापस नहीं करूंगी और संबंधित को इसका भुगतान किया जायेगा चाहे कोई कितना भी विरोध कर ले। अब देखना है कि निगम में जनप्रतिनिधियों की चलती है या अधिकारीराज चलता है। गुणवत्ताहीन रिक्शा वापस ही नहीं हुआ था कि लगभग 40 लाख रूपये की लागत से खरीदी गई बेलिंग मशीन भी पूरी तरह नियम शर्तों के विपरीत सप्लाई की गई जिसे लेकर विपक्ष सहित सत्तापक्ष के लोगों ने भी इसे गंभीरता से लिया जिन्होंने कहा कि उक्त मशीन वापस किया जायेगा परंतु उक्त मशीन भी आज तक वापस नहीं की गई है। इस अधिकारी के विरोध में अब लोग लामबद्ध होकर इनके कार्यकाल को संपूर्ण जांच हेतु एक शिकायत राज्य आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा सहित विभिन्न विभागों को करने वाले हैं। महापौर रामू रोहरा जिन्होंने चुनाव जीतने के बाद निगम के दहलीज पर मत्था टेककर कहा था कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा, सुशासन और जीरो टॉलरेंस में निगम का कामकाज प्रारंभ होगा। शहर की समस्याओं का निराकरण होगा, मूलभूत सुविधाओं को आम नागरिकों को पूर्ति की जायेगी। श्री रोहरा का दो-टूक कहना है कि चाहे कोई कितना भी प्रयास कर ले, निगम में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

लेकिन एक अधिकारी के चक्रव्यूह में फंसकर सत्तापक्ष का एक पार्षद भी कमीशनखोरी के नाम पर चर्चित हो चुका है। इस पार्षद की कमीशनखोरी की जानकारी अन्य पार्षदों को लगने पर अधिकांश पार्षद उनसे कन्नी काट लिये हैं और उक्त चर्चित पार्षद के द्वारा अब अपने कुछ समर्थित पार्षदों को भड़काकर मिथ्या बातें फैलाकर विवाद की स्थिति निर्मित की जा रही है जिस पर महापौर रामू रोहरा अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये हुए हैं और निगम के पार्षदों सहित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी नजर रखे हुए हैं। श्री रोहरा लगातार प्रयास कर रहे हैं कि निगम अंतर्गत आने वाले 40 वार्डों के निवासियों को मूलभूत सुविधाओं के अलावा वार्डवासियों, पार्षदों के मांग अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर रहे हैं। यही कारण है कि निगम क्षेत्रांतर्गत करोड़ों रूपये के विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं। लेकिन कहीं न कहीं पार्षदों के बीच तालमेल का अभाव भी स्पष्ट नजर आ रहा है। अधिकारी के अड़ियल रवैये के चलते आज शहर विकास के छोटे मोटे कार्यों के फाईल भी धूल खा रही है। उनके द्वारा वही फाईल पर हस्ताक्षर किया जाता है जिस पर उनका स्वार्थ सिद्ध होता है। उनके इस रवैये से शहर के वार्डों में साफ सफाई भी प्रभावित हो रहा है। वार्डों में गंदगी का साम्राज्य स्थापित हो चुका है जिसका कारण भी उक्त अधिकारी को ही माना जा रहा है। आने वाले दिनों में भीषण गर्मी भी पड़ने की संभावना है। लेकिन नागरिकों का मानना है कि उक्त अधिकारी के रहते आसानी से गर्मी में लोगों को पानी मिल पायेगा, इसमें संदेह है। यहां 10.30 बजे से 5 बजे तक यहां पदस्थ अधिकारी के नहीं रहने से अनेक कार्य रूके पड़े हुए हैं। यहां कमीशनखोरी के नाम पर पहले अधिकारी चर्चा के दायरे में आ गये। अब सत्तापक्ष से जुड़े पार्षद की भी कमीशनखोरी की घटना प्रकाश में आते ही एक नया विवाद प्रारंभ हुआ। अधिकारी के रवैये को लेकर न सिर्फ उनके अधिनस्थ खुश हैं, और न ही निर्वाचित पार्षद। नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव से शहर की जनता ने निगम में रोजाना हो रहे विवाद को संज्ञान में लेकर उक्त अधिकारी के स्थानांतरण की मांग की है।

पी.एम.श्री स्कूल चनाट में मनाया गया अंगना म शिक्षा कार्यक्रम

भंवरपुर। पी.एम.श्री शासकीय प्राथमिक शाला चनाट में विकासखंड शिक्षाधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे, विकासखंड स्त्रोतकेंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव के कुशल मार्गदर्शन में अंगना म शिक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष संजय पटेल द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई, तत्पश्चात कु. नीलम द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किए गए, प्रधान पाठक नीलांबर नायक द्वारा अंगना म शिक्षा कार्यक्रम संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी माताओं को दी गई। निर्धारित 09 काउंटर नामांकन, संतुलन, वर्गीकरण, अंक पहचान, शब्द, अनुच्छेद आदि की गतिविधियां बच्चों से कराई गई। माताओं के मनोरंजन हेतु सुरली कुर्सी, जलेबी दौड़, पर्चा उठाओ, विभिन्न पशु पक्षियों की मिमिक्री खेल का आयोजन हुआ। प्रतिभागियों में से प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले माताओं को प्रोत्साहित कर पुरस्कृत किया गया। शाला परिवार से प्रभा जगत, विजय दास महंत, रविलाल चौहान, उमावती, भारमोती, नरेश पटेल, संकुल समन्वयक रोहित पटेल समेत 30 से अधिक माताओं की उपस्थिति रही। सभी ने परस्पर सहयोग प्रदान किया।

आमदी नपं में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने हितग्राहियों से की मुलाकात

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी के गांव चलो, घर चलो अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत आमदी में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने सघन जनसंपर्क किया। सर्वप्रथम रंजना साहू ने अटल परिसर में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ माल्यार्पण किये। इस दौरान उन्होंने गांव चलो घर चलों अभियान के तहत् हितग्राहियों से मुलाकात की एवं विभिन्न वार्डों में पहुंचकर आमजन, हितग्राहियों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों से मुलाकात कर केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और साथ ही लाभार्थियों से मुलाकात किए। इसके साथ साथ नगर की समस्याओं और सुझावों को सुना। कार्यक्रम के दौरान साहू ने स्वच्छता अभियान में स्वयं भाग लेकर साफ-सफाई की गतिविधियों में हिस्सा लिया और लोगों को अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। अपने उद्बोधन में रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि गांव चलो, घर चलो अभियान केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज से जुड़ने और जनता की समस्याओं को समझने का सशक्त माध्यम है। स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जब तक हम स्वयं जागरूक नहीं होंगे, तब तक स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा का मुख्य उद्देश्य है और इसके लिए कार्यकर्ता लगातार मैदान में सक्रिय हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से हल कराने में सहयोग करें। नगर पंचायत आमदी की अध्यक्ष ज्योति साहू ने अपने संबोधन में कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नगर पंचायत लगातार स्वच्छता को लेकर विभिन्न अभियान चला रही है। लेकिन जनभागीदारी के बिना यह कार्य अधूरा है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से लोगों में जागरूकता बढ़ती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने रंजना साहू के नेतृत्व और मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र में विकास और जनसेवा के कार्यों को और गति मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से नगर पंचायत उपाध्यक्ष कोमल यादव, पार्षद उमानंद कुंभकार, जीतेन्द्र पटेल, मण्डल महामंत्री अनिल तिवारी, ललित मानिक उपाध्यक्ष आमदी मंडल, भाजपा असरु साहू, नीलकंठ साहू, जागेश्वर साहू, बेनीराम साहू, बसंत साहू, बिसुराम पटेल, बंसी साहू, सुरेश साहू, भूषण साहू, जागेश्वर नेताम, सरिता साहू, सुनीता साहू, अंजली साहू, मुकेश पटेल, प्रशांत पटेल, कमल, सुरेंद्र पटेल, त्रिभुवन मटियारा, नारायण मटियारा, भूषण साहू, नोहर ढीमर, तुमेन्द्र ढीमर, आनंद साहू, दीनदयाल साहू, गैंद साहू, विष्णु साहू, महेंद्र कोसरिया, अजय साहू, भारती साहू, देवेंद्र पटेल, संतोषी साहू, सोहन साहू, सोनउ साहू, रानी साहू, श्रवन साहू सहित बड़ी संख्या में पार्षद व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिनीमाता कॉलेज में पत्रकारिता की पाठशाला, छात्रों को मिला प्रैक्टिकल ज्ञान

मिनीमाता कॉलेज में छात्रों को बताया—पत्रकारिता केवल खबर नहीं, जिम्मेदारी, छात्रों ने फोटो जर्नलिज्म के गुर भी सीखे

बलौदाबाजार। शहर के शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अंतर्गत आयोजित 7 दिवसीय इंटर्नशिप समतुल्य कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। जिसके छठवें दिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े पत्रकारों द्वारा छात्रों को पत्रकारिता के विविध आयामों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पत्रकार देवेश साहू ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में हर व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना का आदान-प्रदान कर रहा है लेकिन पत्रकारिता केवल खबरों के प्रसार तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक जिम्मेदारीपूर्ण कार्य है, जिसमें सत्यता, निष्पक्षता और तथ्यात्मकता का विशेष महत्व होता है। पत्रकार समाज का सजग दर्पण और प्रहरी होता है जो न केवल घटनाओं को प्रस्तुत करता है बल्कि उनके पीछे छिपे सत्य को उजागर करने का कार्य भी करता है। साथ ही छात्रों को फेक न्यूज़ से सावधान रहने एवं किसी भी जानकारी को साझा करने से पूर्व उसके सत्यापन की सीख दी गई। उन्होंने छात्रों को समाचार की

संरचना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि एक प्रभावी समाचार में शीर्षक, इंट्रो, विवरण, पृष्ठभूमि और निष्कर्ष का समुचित संतुलन होना आवश्यक है। साथ ही 5 डब्लू 1 एच के आधार पर समाचार लेखन की प्रक्रिया को सरल तरीके से समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विभिन्न पहलुओं जैसे लोकेशन, स्लग, एंकर, वॉइस ओवर एवं बाइट की तकनीकी जानकारी भी प्रदान की गई। इसके अलावा पीटीसी, वॉक थ्रू, 121 इंटरव्यू एवं वॉक्स पॉप जैसे व्यावहारिक पक्षों से भी छात्रों को अवगत कराया गया। वही पत्रकार अरविंद मिश्रा ने पत्रकारिता में फोटोग्राफी की भूमिका को बताया उन्होंने कहा कि एक प्रभावशाली तस्वीर खबर को अधिक विश्वसनीय और आकर्षक बनाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, फोटो किसी भी घटना का प्रत्यक्ष प्रमाण होती है जिससे पाठकों और दर्शकों का भरोसा बढ़ता है। फोटोग्राफी के माध्यम से जटिल घटनाओं को आसानी से समझाया जा सकता है। साथ ही यह लोगों की भावनाओं को भी सीधे प्रभावित करती है। डिजिटल और टीवी मीडिया में तो तस्वीरों और वीडियो का महत्व और भी बढ़ गया है जहां हर खबर के साथ दृश्य प्रस्तुत करना जरूरी हो गया है।

एक अच्छी फोटो न केवल खबर को जीवंत बनाती है बल्कि भविष्य के लिए ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में भी काम करती है। हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पत्रकारिता के क्षेत्र में व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान प्रदान करना है जिससे वे भविष्य में इस क्षेत्र में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कल्पना उपाध्याय, हिंदी विभागाध्यक्ष सुनीता त्यागी, अतिथि व्याख्याता मंजू अग्रवाल, पूजा बांधे सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भारतीय जैन संघटना अंतर्गत सेवा पहल राहगीरों, पक्षियों के लिए बना सहारा

तपती दोपहर में राहत, गन्ने का रस पिलाया, चिड़ियों के लिए सकोरे बांटे

धमतरी। भीषण गर्मी के बीच रत्नाबांधा रोड पर भारतीय जैन संघटना के अंतर्गत आयोजित एक उल्लेखनीय सेवा पहल में राहगीरों को शीतल गन्ने का रस पिलाया गया तथा पक्षियों के लिए सकोरे जल पात्र वितरित किए गए। कई घंटों तक चली इस सेवा में पैदल चलने वाले, साइकिल सवार, दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालक सभी ने रुककर राहत का अनुभव किया। इस दौरान लगभग 550 राहगीरों को गन्ने का रस पिलाया गया तथा 300 सकोरे वितरित किए गए। गन्ने का रस सरला पारख के सौजन्य से तथा सकोरे राजकुमारी पारख के सौजन्य से उपलब्ध कराए गए। राहगीरों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तपती धूप में ठंडा गन्ने का रस उन्हें तुरंत ताजगी और ऊर्जा प्रदान कर गया। वहीं

सकोरा वितरण को लोगों ने पर्यावरण एवं जीव-जंतुओं के प्रति जिम्मेदारी का प्रेरणादायक संदेश बताया। कार्यक्रम की एक विशेष बात बच्चों की सक्रिय सहभागिता रही। बड़ी संख्या में शामिल बच्चों ने प्रतिदिन चिड़ियों के लिए पानी रखने का संकल्प लिया। पालकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से बच्चों में बचपन से ही जीव-जंतुओं के प्रति दया, संवेदना और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। इस सेवा कार्य में भारतीय जैन संघटना की संरक्षक सरला पारख, उपाध्यक्ष सुषमा चोपड़ा, कोषाध्यक्ष शिमला पारख, राजकुमारी पारख, गौरी लोढ़ा, शशि गोलछा, अंजू लोढ़ा, मंजू लुंकड़, संगीता गोलछा, अंजू गोलछा एवं डॉ सरिता दोशी ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर बलौदा में आयोजित

सरायपाली। स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के अंतर्गत ग्राम बलौदा में गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय अग्रवाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ. कुणाल नायक ने कुल 30 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य परामर्श दिया। शिविर में विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य जांच पर ध्यान केंद्रित किया गया। शिविर के दौरान डॉ. कुणाल नायक की सरल, संवेदनशील और जिम्मेदार कार्यशैली की आमजन में सराहना हुई। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ अभिभावकों को

पोषण, टीकाकरण और उचित देखभाल के बारे में विस्तार से जागरूक किया। उनकी सहज संवाद शैली और मरीजों के प्रति समर्पण ने ग्रामीणों में भरोसा और मजबूत किया। गौरतलब है कि डॉ. कुणाल नायक के बीएमओ का पदभार संभालने के बाद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर सुधार देखा जा रहा है। अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर करने, समय पर उपचार उपलब्ध कराने और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के प्रयासों की व्यापक सराहना हो रही है। बलोदा में आयोजित यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सशक्त नेतृत्व और समर्पित कार्यशैली से ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा दी जा सकती है। उक्त जानकारी खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी सह मीडिया प्रभारी टी.आर. घृतलहरे द्वारा दी गई।

गांव चलो-बस्ती चलो अभियान के तहत मोनिका पहुंच रही घर-घर

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी 47वाँ स्थापना दिवस के तहत गांव चलो-बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत ग्राम बारना में लाभार्थियों से संपर्क अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा पात्र हितग्राहियों से सीधा संवाद स्थापित करना था। इस अवसर पर मोनिका ऋषभ देवांगन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने लाभार्थियों से आत्मीय संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनी। मोनिका ऋषभ देवांगन ने कहीं गांव चलो बस्ती चलो अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच सेतु है। हमारा संकल्प है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी भूमिहीन कृषक योजना हर घर शुद्ध पेयजल योजना सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों से घर.घर जाकर संपर्क किया गया।

साथ ही ग्राम के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऋषभ देवांगन पूर्व अध्यक्ष गंगरेल मंडल भाजपा, मिश्रीलाल पटेल अध्यक्ष भोथली मंडल भाजपा, केशव साहू उपाध्यक्ष जनपद पंचायत, धमतरी प्रभारी प्रेमनारायण साहू, खिलावन प्रजापति बूथ अध्यक्ष, रामचरण सोनी, दौलत साहू, हीरामन प्रजापति, मुकेश प्रजापति, श्यामलाल पटेल, ममता निषाद, नेमीन साहू, सुनीता साहू, कौशिल्या प्रजापति, पंच सोनम प्रजापति, पार्वती निषाद, खेमेश्वरी साहू एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। लाभार्थियों ने सरकार के प्रयासों की सराहना की तथा अपनी समस्याओं के त्वरित समाधान पर संतोष व्यक्त किया। अभियान के सफल संचालन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का सक्रिय सहयोग रहा। गांव चलो बस्ती चलो अभियान आगामी दिनों में क्षेत्र के अन्य ग्रामों में भी इसी उत्साह के साथ चलाया जाएगा।

सेमरिया पंचायत के अपत्ति के बाद भी सरकारी जमीन पर बोर कर खनन कर हो रहा अवैध ईट भट्टे का कारोबार

भाटापारा। शहर से लगे आसपास के सरहदी व ग्रामीण क्षेत्रों मे भारी पैमाने पर अवैध ईंट भट्टा का कारोबार फल फूल रहा है। गौरतलब है कि गर्मी के सीजन मे यह इट भट्टे का कारोबार चर्म मे रहता है। इन अवैध ईंट भट्टों के कारण शासन को लाखों करोड़ो राजस्व का नुकसान तो होता ही है, साथ ही पर्यावरण का भी भारी पैमाने पर नुकसान होता है। ऐसे ही एक मामले मे ग्राम कोडापार से लगे सेमरिया(ब) गांव मे शासकीय जमीन के एक बहुत बडे रकबे मे अवैध ईट भट्टा निर्माण को त्वरित गति से

हटाये जाने का पंचायत द्वारा प्रस्ताव पास किया गया है जिसमें पंच व सरपंच का हस्ताक्षर युक्त लेटर उच्च अधिकारियों को सौपा गया है। ग्राम सेमरिया(ब) पंचायत के महेश्वरी हिरामणी यदु का कहना है कि अवैध ईट भट्टा संचानालक द्वारा शासकीय जमीन के बहुत बडे भूभाग पर कब्जा करते हुये अवैध ईट भट्टे का निर्माण किया जा रहा है, जिसका पटवारी द्वारा नाप जोक कराये जाने पर सरकारी जमीन का होना भी प्रमाणित हुआ। साथ ही बिना किसी मंजूरी के उक्त शासकीय उक्त मे बोरपंप भी कराया गया है, जहाँ बेतहाशा पानी व मिट्टी का दोहन किया जा रहा है जबकि पिछले सत्र मे अवैध ईट भट्टा के संचालन पर रोक व सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण को लेकर पंचायत ने कड़ा विरोध व अपत्ति भी जताया था। परंतु अवैध ईट भट्टा संचालक इन सबसे बेखौफ होकर अपने कृत्य को लगातार अंजाम दे रहा है, जिस पर खनिज विभाग व जनपद पंचायत कि कडी कारवाई अतिआवश्यक हो गया है। उक्त मुददे को लेकर कलेक्टर से भी जल्द शिकायत दर्ज करने कि बात सेमरिया सरपंच द्वारा कही गई।

संक्षिप्त समाचार

तेलीबांधा चाकूबाजी कांड में 2 आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने निकाला जुलूस

रायपुर। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन, दो मोबाइल फोन और एक चाकू बरामद किया गया है। साथ ही आरोपियों का जुलूस भी निकाला गया। उक्त कार्रवाई एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और तेलीबांधा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की।जानकारी के अनुसार, घटना 8 अप्रैल 2026 की है। प्रार्थिया सिमरन मिस्त्री अपने दोस्त गोविंद रोचलानी के साथ कटोरा तालाब जा रही थीं। इसी दौरान श्याम नगर इंदिरा चौक के पास स्कूटी सवार दो युवकों ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए गाली-गलौज की। कुछ दूरी आगे बढ़ने के बाद श्याम नगर हनुमान मंदिर के पास आरोपियों ने उनका रास्ता रोक लिया और विवाद शुरू कर दिया।विवाद के दौरान आरोपियों ने गाली देने से मना करने पर जान से मार देंगे कहकर गोविंद रोचलानी पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे।मामले में तेलीबांधा थाना में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जोन) और क्राइम एंड साइबर डीसीपी के निर्देश पर टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की।जांच में आरोपियों की पहचान न्यू राजेंद्र नगर निवासी अनुज सिंह और नवीन पैकरा के रूप में हुई। दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने वारदात कबूल कर ली।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109, 126(2), 296 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्मृति पुस्तकालय योजना 11 हजार से अधिक पुस्तकें दान दी जा चुकी है

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बनती जा रही है। इस पहल के माध्यम से लोग स्वेच्छा से पुस्तकें और इलेक्ट्रोनिक्स गैजेट दान कर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में योगदान दे रहे हैं।इसी क्रम में आज वेटरनरी विभाग की सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी कु. मोरियम सोनी ने यूपीएससी, सीजीपीएससी व्यापम, जियोलॉजी एवं गणित सहित अन्य विषयों की 150 पुस्तकें जिला प्रशासन को दान कीं।कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।कु. मोरियम सोनी ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी विभागीय बैठक के माध्यम से मिली। उन्होंने कहा कि समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने की भावना से उन्होंने पुस्तक दान का निर्णय लिया। उन्हें खुशी है कि इन पुस्तकों से जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत अब तक 11 हजार पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान किए जा चुके हैं। इन संसाधनों का लाभ लेकर अनेक विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को नई दिशा दे रहे हैं।जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे भी इस पुनीत पहल से जुड़कर ज्ञान के दान में भागीदार बनें और युवाओं के सपनों को साकार करने में सहयोग दें। पुस्तक अथवा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दान करने के इच्छुक नागरिक प्रभात सक्सेना (94060 49000) एवं केदार पटेल (94255 02970) से संपर्क कर सकते हैं।इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, जिला रोजगार अधिकारी केदार पटेल, नोडल अधिकारी प्रभात सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आईपीएल सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ 16 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का भाटापारा शहर पुलिस ने खुलासा किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के परवाणू क्षेत्र से देशभर में सट्टेबाजी का नेटवर्क चला रहे थे। आरोपियों के कब्जे से करीब 50 लाख रुपये से अधिक मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं।दरअसल, मामले की शुरुआत 4 अप्रैल 2026 को हुई, जब भाटापारा शहर पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पास घेराबंदी कर अजय बत्रा नामक आरोपी को मोबाइल के जरिए आईपीएल मैचों पर सट्टा लगाते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी के पास से एक मोबाइल, 5,780 रुपये नगद और सट्टेबाजी से जुड़े स्क्रीनशॉट बरामद किए गए। इस पर पुलिस ने छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत अपराध दर्ज किया।जांच के दौरान जब्त मोबाइल के तकनीकी विश्लेषण में 'रुवी बेट' नामक पैनल आईडी के जरिए ऑनलाइन सट्टा संचालन का खुलासा हुआ। आगे की पड़ताल में पता चला कि हिमाचल प्रदेश में बैठा एक संगठित गिरोह इसी पैनल के माध्यम से देशभर में सट्टेबाजी का बड़ा नेटवर्क चला रहा है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ आईटी एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गईं।पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हिमाचल प्रदेश के परवाणू में दबिश दी। यहां एक किराए के मकान में आरोपी लैपटॉप, आईपैड और मोबाइल फोन के जरिए प्रोफेशनल तरीके से सट्टा संचालित करते मिले। पुलिस ने मौके से सभी 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी रुवी बेट पैनल के अलग-अलग ब्रांच लिंक—ब्रांच-08, ब्रांच-27 और ब्रांच-35—के जरिए यूजर आईडी बनाकर देशभर में सट्टा फैला रहे थे।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 लैपटॉप, 2 आईपैड, 48 मोबाइल फोन, 9 एटीएम कार्ड और बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं।

ऑपरेशन तलाश में पुलिस ने 7.31 लाख गबन कांड का किया खुलासा

रायपुर। दो साल से फरारी काट रहा ट्रक मालिक आखिरकार पुलिस के जाल में फंस गया और ऑपरेशन तलाश ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कानून से बचना अब नामुमकिन होता जा रहा है, पूंजीपथरा थाना पुलिस ने अमानत में खयानत के चर्चित मामले में फरार आरोपी गौतम साहू को अम्बिकापुर से दबोच लिया, जिसे कोर्ट में पेश कर सीधे जेल भेज दिया गया, मामला 25 जून 2024 को सामने आया था जब एस.एस. स्टील एंड पावर प्लांट पाली के सुपरवाइजर संदीप कुमार दुबे ने शिकायत दर्ज कराई कि 9 जून को ट्रक क्रमांक ष्टल 15 ष्ठ8 7119 से 12.500 मैट्रिक टन एमएस पाइप, जिसकी कीमत ?7,31,370 थी, बंसल ट्रेडर्स सूरजपुर भेजा गया लेकिन माल रास्ते में ही गायब हो गया, चालक अवधेश कुमार मेहत्ता उर्फउदेश ने माल गंतव्य तक नहीं पहुंचाया और गोलमोल जवाब देने लगा।

स्वाभिमान की नई पहचान

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण का स्वर्णिम दौर....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष के रूप में मनाते हुए महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी जा रही है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की योजनाएं अब जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम दे रही हैं, जिसका स्पष्ट प्रतिबिंब आंकड़ों में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी गौरव वर्ष महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का व्यापक अभियान है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आंगनबाड़ी संचालन के लिए 800 करोड़ रुपए, पूरक पोषण आहार के लिए 650 करोड़ रुपए तथा कुपोषण मुक्ति व पोषण अभियान के लिए 235 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महतारी वंदन योजना एक मील का पत्थर साबित हुई है। 10 मार्च 2024 को प्रारंभ इस योजना के तहत लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार रुपए की सहायता मिल रही है। अब तक 26 किस्तों के माध्यम से 16 हजार 881 करोड़ रुपए से अधिक राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, वहीं इस योजना के लिए 8 हजार 200 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रस्तावित रानी दुर्गावती योजना के तहत 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 1 लाख 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी, जिसके लिए 15 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

राज्य में महिलाओं के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से हो रहा है। महतारी सदनों के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत अब तक 368 सदनों को स्वीकृति दी जा चुकी है और 137 का निर्माण पूर्ण हो चुका है। साथ ही 500 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 42 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच और मजबूत होगी। मातृत्व सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत 3 लाख 73 हजार से अधिक पंजीयन दर्ज किए गए हैं तथा 235 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। वर्ष 2023-24 में जहां 1 लाख 75 हजार से अधिक पंजीकरण हुए, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 2 लाख 19 हजार से अधिक हो गई। वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 2 लाख 4 हजार से अधिक पंजीयन हो चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 93 प्रतिशत से अधिक है। पोषण अभियान में भी राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पोषण माह 2024 के दौरान प्रति केंद्र प्रदर्शन में प्रदेश को प्रथम स्थान तथा कुल गतिविधियों में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं न्योता भोज जैसे नवाचारों के तहत 9 हजार 700 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे 1 लाख 83 हजार से अधिक बच्चों को लाभ मिला। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व-सहायता समूहों को रेडी-टू-ईट जैसे कार्यों से जोड़ा जा रहा है तथा लखपति दीदी योजना के माध्यम से उन्हें व्यवसायिक अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उज्ज्वला योजना के तहत लगभग 38 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं, जिससे उन्हें स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिली है।

'गांव चलो अभियान' के तहत जनसंवाद समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर....

- रायगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को मिल रही नई गति: वित्त मंत्री ने करोड़ों रुपयों के कार्यों की दी सौगात

रायपुर/ संवाददाता

जिले के ग्रामीण अंचलों में अधोसंरचना और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को नई दिशा देते हुए प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी.चौधरी ने रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। गांव चलो अभियान के तहत क्षेत्र के प्रवास पर पहुंचे वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है और इसके लिए लगातार जमीनी स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान ग्राम-सूरजगढ़ में लगभग 192.92 लाख रुपये की लागत से निर्मित सूरजगढ़-पड़िगांव से तेलीपाली सड़क का लोकार्पण किया गया, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और यातायात सरल व सुगम होगा। वहीं ग्राम टिनमिनी में 12 लाख रुपये की लागत से शेड तथा 5.20 लाख रुपये की लागत से विक्रम घर से स्कूल तक सोसी रोड का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर कक्षा 12वीं की छात्रा अंजली सतपति को उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत

नावापाली में 7.50 लाख रुपये की लागत से सांस्कृतिक शेड का लोकार्पण किया गया, जिससे ग्रामीणों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इसी क्रम में पड़िगांव में जगन्नाथ मंदिर के पास 7 लाख रुपये की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण किया गया। साथ ही यहां 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन तथा चौहान मोहल्ला में 10 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया गया। ग्राम गुडू में वार्ड क्रमांक 01 में 10 लाख रुपये की लागत से बनी सीसी रोड का लोकार्पण किया गया, वहीं 10.40 लाख रुपये की लागत से बनने वाली एक अन्य सीसी रोड का भूमिपूजन किया गया। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने टिनमिनी सहित अन्य गांवों में गांव चलो अभियान के तहत चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इन कार्यों से न केवल बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी।

महाराष्ट्र सीमा से लगे नेलांगुर में हर घर पहुंचा नल जल दूर हुई पेयजल समस्या

- जल जीवन मिशन के तहत शुरू हुई जल आपूर्ति, 52 किमी दूर स्थित गांव को मिली बड़ी राहत
- महिलाओं को पानी के लिए भटकने से मुक्ति, ग्रामीण जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर पर बसे नारायणपुर जिले के ओरछा ब्लॉक के सीमावर्ती ग्राम नेलांगुर में अब विकास की नई तस्वीर उभरने लगी है। महाराष्ट्र सीमा से लगे इस पूर्व अतिसंवेदनशील गांव में पहली बार घर-घर नल से पानी पहुंचना शुरू हुआ है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव महसूस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापित होने के बाद अब विकास कार्यों ने भी गति पकड़ ली है। कलेक्टर नम्रता जैन ने बताया की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन के तहत इस दूरस्थ गांव में जल आपूर्ति व्यवस्था शुरू की गई है। सोलर पंप के माध्यम से जल स्रोत से पानी उठाकर पाइपलाइन के जरिए सीधे घरों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे बिजली पर निर्भरता कम हुई है और निर्बाध जल आपूर्ति संभव हो सकी है। जिला मुख्यालय नारायणपुर से लगभग 52 किलोमीटर दूर स्थित नेलांगुर के ग्रामीण लंबे समय से पेयजल संकट झेल रहे थे, लेकिन अब उनकी समस्या का समाधान होने से ग्रामीणों के लिए यह पहल राहत भरी साबित हो रही है। विशेष रूप से महिलाओं को अब दूर-दूर तक पानी लाने की परेशानी से मुक्ति मिली है। गांव में जल आपूर्ति शुरू होने से लोगों के दैनिक जीवन में सहजता आई है और स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। नेलांगुर में जल जीवन मिशन का सफल क्रियान्वयन इस बात का प्रमाण है कि शासन की योजनाएं अब दूरस्थ और सीमावर्ती क्षेत्रों तक प्रभावी ढंग से पहुंच रही हैं। प्रशासन द्वारा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा हर घर तक नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नेलांगुर में सोलर पंप आधारित जल आपूर्ति की यह पहल न केवल बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह क्षेत्र में विश्वास और विकास की नई नींव भी रख रही है।

महिलाओं में शक्ति संचार का माध्यम बनेगा महिला विधेयक

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विधायक सुश्री लता उसेण्डी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 अप्रैल को लोकसभा के पटल में महिला आरक्षण बिल लेकर आ रहे हैं जो महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में अहम कदम है और इससे महिलाओं के जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा। सुश्री उसेण्डी ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, यह हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री उसेण्डी ने कहा कि सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वन्दन अधिनियम पारित किया गया। 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाने की योजना इस बिल के माध्यम से लागू की जाएगी। इस बिल के पारित होते ही महिलाओं को जनप्रतिनिधि के तौर पर 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। सुश्री उसेण्डी ने कहा कि प्रदेश में 2003 में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी और तब से लेकर आज तक प्रदेश में भाजपा सरकार ने महिला सशक्तीकरण की मिसाल प्रस्तुत की है। भाजपा की सरकार ने सर्वप्रथम महिलाओं को राशन कार्ड के माध्यम से घर की मुखिया के रूप में महत्वपूर्ण स्थान दिया। छत्तीसगढ़ में पंचायत चुनाव में 50 प्रतिशत महिलाओं को स्थान दिया गया है। प्रदेश की मौजूदा भाजपा सरकार महतारी वन्दन योजना के जरिए मोदी की गारंटी के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार रुपए देकर उनको आर्थिक रूप से संबल प्रदान कर रही है।

कच्चे से पक्के घर तक का सपना हुआ साकार

रायपुर। जिले के खरसिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम-मदनपुर निवासी रविराज महंत के परिवार के लिए आज का दिन खुशियों भरा रहा। वर्षों से कच्चे मकान में जीवन यापन कर रहा यह परिवार अब पक्के आवास में रहने का सपना साकार कर चुका है। मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले इस परिवार के पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था, जिससे बेहतर आवास का सपना अधूरा ही रह जाता था। रविराज महंत की माताजी ने पंचायत में आवास योजना के तहत आवेदन किया था। शासन की जनकल्याणकारी योजना के अंतर्गत उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और महज चार से पांच महीनों के भीतर आवास का निर्माण पूर्ण कर लिया गया। अब परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए पक्का घर मिल चुका है।

अब हटाये जाने का डर नहीं सतायेगा उन्हें

रोड साईट व्यवसाय करने वाले छोटे व्यवसायियों को मिली स्थाई दुकानें

- उद्योग मंत्री ने अपने जन्म दिवस पर लघु व्यवसायियों को दी आनंद बाजार वेंडिंग जोन की सौगात

रायपुर/ संवाददाता

उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर कोरबा के लघु व्यवसायियों को एक बड़ा तोहफा देते हुये उन्हें आनंद बाजार वेंडिंग जोन की सौगात प्रदान की है। अब सड़क के किनारे फुटपाथ आदि पर व्यवसाय करने वाले इन लघु व्यवसायियों को सुविधापूर्ण स्थाई दुकानें मिल चुकी हैं, अब उन्हें बार-बार दुकान हटा दिये जाने का डर भी नहीं सतायेगा तथा निश्चिंत हो कर अपने व्यवसाय का संचालन कर सकेंगे। इस अवसर पर लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने की, वहीं सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित अन्य पार्षदगण व जनप्रतिनिधिगण विशेष रूप से उपस्थित थे। यहाँ उल्लेखनीय है कि कोरबा शहर में काफी तादात में सड़क के किनारे फुटपाथ आदि में लघु व्यवसायियों द्वारा अपने छोटे-छोटे व्यवसाय संचालित किये जा रहे हैं, किन्तु इन व्यवसायियों को सदैव स्थल से हटा दिये जाने का डर बना रहता है, वहीं दूसरी ओर इससे शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है, आवागमन बाधित होता है, जहाँ एक ओर इन लघु व्यवसायियों को दुकानें हटा दिये जाने का भय बना रहता है, वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों, आमनागरिकों को भी असुविधा होती है, समय-समय पर इन व्यवसायियों को व्यवसाय प्रभावित होता है तथा उन्हें हर समय एक स्थाई स्थान की आवश्यकता बनी रहती है तथा उनका सपना रहता है कि उन्हें अपने व्यवसाय हेतु एक स्थाई ठिकाना मिल जाए। इन लघु व्यवसायियों के हितों के मद्देनजर नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा बुधवारी बाजार के सामने रोड की

दूसरी ओर स्थित पार्किंग स्थल मैदान के किनारे-किनारे चारों ओर 53 दुकानों से युक्त वेंडिंग जोन का निर्माण कराया गया है, इन दुकानों को इन्हीं लघु व्यवसायियों को आर्बीटित किया गया है व आर्बीटित किया जा रहा है। आज प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षीय उपस्थिति में उक्त वेंडिंग जोन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेरे पिताजी एवं मैं स्वयं सड़क साईट में दुकान लगाकर व्यापार करते थे, अत: मैं रोड साईट में व्यवसाय करने वाले व्यवसायी बंधुओं के दुख दर्द से अच्छी तरह परिचित हूँ, मेरा संकल्प है कि रोड साईट व्यवसाय करने वाले व्यापारी भाईयों के हितों की सदैव रक्षा की जायेगी, जब तक उन्हें उनके व्यवसाय हेतु स्थाई ठिकाना उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक उन्हें स्थल से हटाया नहीं जायेगा। इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुये कहा कि मेरे जन्म दिवस के अवसर पर आज यह पुन्य का कार्य करने का मौका महापौर के माध्यम से मुझे प्राप्त हुआ है, जिसके लिये मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने इस मौके पर लघु व्यवसायीबंधुओं को भी बधाई व शुभकामनायें दी तथा उनके व्यवसाय की सफलता तथा उनके लगातार प्रगति की कामना की। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज तो मेरे लिये दोहरी खुशी का दिन है, क्योंकि एक ओर कोरबा के लोकप्रिय विधायक व मेरे बड़े भाई उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का जन्म दिवस है, तो वहीं दूसरी ओर इस शुभ दिवस पर सड़क के किनारे व्यवसाय करने वाले हमारे छोटे-छोटे व्यवसायी भाईयों को उनके व्यवसाय हेतु स्थाई ठिकाना मिल रहा है। महापौर श्रीमती राजपूत ने आगे कहा कि उद्योग मंत्री श्री देवांगन द्वारा मुझे लगातार मार्गदर्शन दिया जाता है कि शहर के किसी भी छोटे व्यवसायी विशेषकर सड़क के किनारे दुकान लगाकर व्यवसाय करने वाले व्यवसायी भाईयों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हों, जो जहाँ व्यवसाय कर रहे हैं।

संपादकीय

युद्ध की आग में झुलसती रसोई, जमाखोरी और महंगाई की दोहरी मार

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से उपजा संकट अब गहराने लगा है। युद्ध 39वें दिन में पहुँच गया है। पेट्रोलियम पदार्थों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने से भारत समेत कई देशों में ईंधन की उपलब्धता काफी कम हो गई है। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। देश में सरकार की ओर से भले ही यह दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है, लेकिन हाल में व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर और विमान ईंधन की कीमतों में की गई बढ़ोतरी से स्पष्ट है कि संकट धीरे-धीरे अपने पांव पसार रहा है।सरकार देश भर में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में देरी को लेकर जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उससे लोगों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इस बीच, पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी और कालाबाजारी ने समस्या को और बढ़ा दिया है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लोगों को घरों में ईंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने और ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करने को भी कहा गया है।गौरतलब है कि ईरान तथा इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के करीब एक माह बाद कई देशों में तेल और गैस का व्यापक संकट खड़ा हो गया है। ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बंद किया है, उसके बाद भारत सहित कई देशों में बड़े पैमाने पर तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है। ईंधन की कमी से उपजा वैश्विक संकट अब जिस स्तर पर बढ़ता जा रहा है, उसका भारत पर भी गहरा असर देखने को मिल रहा है, क्योंकि यह कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति के लिए अन्य देशों पर अधिक निर्भर है।ऐसे में अगर युद्ध लंबा खिंचा तो आने वाले दिनों में किस तरह की परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को ईंधन आपूर्ति के वैकल्पिक उपायों पर अब व्यापक स्तर पर और गंभीरता से विचार करना होगा।देश में सरकार के समक्ष चुनौती सिर्फ तेल और गैस की कमी की ही नहीं है, बल्कि इसकी जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने की भी है। मौजूदा संकट का दायरा इसलिए भी बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आपदा में अवसर तलाशने वालों में मुनाफा कमाने की होड़ लग गई है। जमाखोरी कर रसोई गैस सिलेंडर ऊंचे दामों पर बेचे जा रहे हैं, जिससे जरूरतमंद आम लोगों को कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है।ऐसे में राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि इस तरह के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। सरकार की ओर से ऊर्जा के वैकल्पिक उपायों के तौर पर लोगों को घरों में इंडक्शन चूल्हे और इलेक्ट्रिक कुकटाप जैसे साधनों का इस्तेमाल करने की सलाह भी दी जा रही है, ताकि एलपीजी पर निर्भरता कम की जा सके।

आधुनिकता का अर्थ क्या यह हो गया है कि इस देश की आधी कार्य योग्य आबादी अपनी समस्याओं के बारे में न सोचे और नशे में ही डूबी रहे? आज के युवा जिस तरह का नशा कर रहे हैं, उसमें मदिरा और कच्ची शराब पुरानी चीजें हो गई हैं। अब हुक्का बार और अन्य मादक पदार्थों के सेवन के मामले देखे जा रहे हैं। सिंथेटिक नशे का दौर आ गया लगता है। गौरतलब है कि नशे का कारोबार इतना बड़ा हो गया है कि किसी भी राज्य में नशे का धंधा करने वाले या इस व्यापार के सूत्रधार देश के सुदूर कोने या विदेश में भी मिल सकते हैं।

नशामुक्ति में जनसहयोग की जरूरत, युवाओं, समाज और व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती

(सुरेश सेठ)

पंजाब में नशाखोरी के खिलाफ पिछले एक वर्ष से अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने छापे मार कर सैकड़ों तस्कर पकड़े हैं। इनमें से बहुत सारे आरोपियों को सजा भी दिलवाई है। हजारों किलो नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। मगर समस्या दूर नहीं हुई है।

आधुनिकता का अर्थ क्या यह हो गया है कि इस देश की आधी कार्य योग्य आबादी अपनी समस्याओं के बारे में न सोचे और नशे में ही डूबी रहे? आज के युवा जिस तरह का नशा कर रहे हैं, उसमें मदिरा और कच्ची शराब पुरानी चीजें हो गई हैं। अब हुक्का बार और अन्य मादक पदार्थों के सेवन के मामले देखे जा रहे हैं। सिंथेटिक नशे का दौर आ गया लगता है। गौरतलब है कि नशे का कारोबार इतना बड़ा हो गया है कि किसी भी राज्य में नशे का धंधा करने वाले या इस व्यापार के सूत्रधार देश के सुदूर कोने या विदेश में भी मिल सकते हैं।

अब तो ड्रोन से भी नशीले पदार्थों की तस्करी हो रही है। हाल यह कि स्कूलों और कालेजों तक नशीले पदार्थ पहुंच रहे हैं। युवा पीढ़ी असमय बूढ़ी हो रही है, क्योंकि देश ने उसे सस्ता या मुफ्त राशन देकर भूख से न मरने देने की गारंटी तो दे दी, लेकिन रोजगार की नहीं। देश गर्व से फूला नहीं समाता कि हम डिजिटल हो गए। साइबर क्रांति हो गई। मगर स्याह तस्वीर तो यह है कि देश के युवा बेरोजगार हैं और नशे में डूब रहे हैं।

हम रोबोट युग की कल्पना कर रहे हैं, मगर सपने साकार करने वाली वह पीढ़ी ही तैयार नहीं कर रहे। इससे पहले युवा पीढ़ी पलायनवादी हो गई थी और डालर और पाउंड के मोह में सात समंदर पार जाकर करोड़पति हो जाना चाहती थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'अमेरिका प्रथम' के नारे के बाद अब सभी समृद्ध देशों ने यही नीति अपना ली, तो हमारे युवा स्वदेश लौटने लगे। मगर उनके सपने धुंधले पड़ गए, क्योंकि यहां उनके लिए नौकरी नहीं थी।

हालांकि रेवड़ियां बांटने से राजनीतिक दलों को फुर्सत नहीं है। उनके चुनावी एजेंडे में रोजगार नहीं है। दूसरी ओर, बिना काम किए खाते में पैसे दिए जा रहे हैं। ऐसे में युवा पीढ़ी कहां जाए? निराश होकर युवा नशे में डूब रहे हैं। दूसरी ओर, व्यवसायियों ने एक के बाद एक विश्वविद्यालय परिसर तो खड़े कर दिए, लेकिन पुस्तक संस्कृति धीरे-धीरे लुप्त हो गई। जहां तक हमारे पाठ्यक्रमों, अध्यापन और शोध का संबंध है, उसमें वह परिवर्तन नहीं आया जो इस तेजी से बदलते हुए युग की कल्पना करने वाले देश में आना चाहिए था। सवाल है कि इस बीच नशीले पदार्थों का कारोबार कैसे खड़ा हो गया? युवा कहे जाने वाले इस देश में बड़ी संख्या में नौजवान नशे की गिरफ्त में क्यों नजर आते हैं?

स्थिति यह है कि नशे के शिकार युवाओं की मौत की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। देश के सरहदी इलाकों में नशे का प्रसार खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। जब सरहद पर दुश्मन खड़े हों और मुकाबला करने वाली युवा पीढ़ी नशे की कंदराओं में भटक रही हो, तो इसका क्या परिणाम होगा, इसे समझा जा सकता है। कभी सोचा भी नहीं गया था कि देश के कुछ नागरिक चंद पैसे के लिए शत्रु देशों के लिए जासूसी करेंगे और इसकी आड़ में वे नशे का कारोबार भी खड़ा कर लेंगे। कौन-सा राज्य इससे बचा है? यह किसी से छिपा नहीं है कि सरहदी राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब में नशाखोरी बढ़ी है। तमाम अभियानों के बावजूद नशीले पदार्थों के तस्कर यहां पांव पसार रहे हैं। इन राज्यों में नौजवानों की जिंदगी बर्बाद हो रही है।

हैरत की बात है कि कुछ माफिया नशे का कारोबार फैला कर इतनी ऊंचाई पर पहुंच जाते हैं कि वे देश की राजनीति को संचालित करने का सपना देखने लगते हैं। इन समस्याओं का समाधान बुलडोजर संस्कृति नहीं है। दुखद है कि अब यह संस्कृति हरियाणा और पंजाब में भी दिख रही है। तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अब मानवीय मूल्यों को बचाने की जद्दोजहद भी सामने आ रही है। अभी पिछले दिनों पंजाब के गांव नंगल कलां में एक नई तस्वीर नजर आई। यहां नशे के शिकार एक युवक की मौत हो गई।

हालांकि ऐसी घटनाएं पहले भी हुईं और मां-बाप इसे अपनी किस्मत मान कर चुप बैठ गए। मगर अब लोग विरोध में आगे आ रहे हैं। एक नौजवान नशे के कारण इस गांव में मरा, तो उसके परिजनों ने गांव के एक परिवार पर नशीले पदार्थ बेचने का आरोप लगा कर अपने बेटे की मौत का जिम्मेदार ठहराया। नई बात यह थी कि यहां पंचायत जागी। उसने सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी परिवार को गांव से निष्कासित करने का प्रस्ताव पारित कर दिया। उनकी संपत्ति ढहाने के लिए दबाव बनाया साथ ही यह कह दिया कि अगर पुलिस और प्रशासन यह कार्रवाई नहीं करते, तो ग्रामीण खुद यह कदम उठाएंगे।

पंजाब में नशाखोरी के खिलाफ पिछले एक वर्ष से अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने छापे मार कर सैकड़ों तस्कर पकड़े हैं। इनमें से बहुत सारे आरोपियों को सजा भी दिलवाई है। हजारों किलो नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। मगर समस्या दूर नहीं हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक पंजाब में 2025 में नशाखोरी से चौदह लोगों की जान गई। यह हालत केवल पंजाब की ही नहीं, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की भी है। लोगों ने घरों में अवैध शराब की भट्ठियां लगा रखी हैं।

ऐसे में अवैध शराब का धंधा खूब फल-फूल रहा है। पिछले दिनों पंजाब में यह आवाज उठती रही कि राज्य में अफीम की वैध खेती करने की इजाजत दे दी जाए। यह इजाजत नहीं दी गई, लेकिन अफीम और भुक्की (चूरा पोस्त) बड़े पैमाने पर पंजाब में बिकती है। चिट्टा खाकर नौजवान बर्बाद हो रहे हैं। यह एक प्रकार का सिंथेटिक नशा है। इसे गंभीरता से लेना होगा। मंचों पर भाषण देने से जन जागरण नहीं होगा।

पंजाब में नशाखोरी की समस्या बहुत भयावह हो गई है। इसलिए मानसा जिले के नंगल कलां में ही नहीं, अन्य जिलों में भी लोग अपने बच्चों को नशे के चंगुल में जाते देख कर आवाज उठाने लगे हैं। यह आंकड़ा भी सामने है कि पंजाब के करीब 4500 गांवों ने खुद को 'नशामुक्त' घोषित कर दिया है। इसका कारण यह है कि गांवों में पढ़े-लिखे लोगों के साथ पंचायतें भी सक्रिय हो रही हैं। बेहतर तो यही होगा कि जागरूक नागरिक नशीले पदार्थों का काला कारोबार होता देखें, तो उसके खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज उठाएं और प्रशासन को सूचित करें। यह बात किताबी लगती है, लेकिन पंजाब में इसमें थोड़ी सफलता दिखी है। यह छोटी ही सही, लेकिन सार्थक आवाज होगी।

जब हम नए युग की कल्पना करते हैं, तो उसमें प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व के साथ नागरिकों को भी एकजुट होना चाहिए। यह समस्या चूंकि हर राज्य में गंभीर होती जा रही है, तो जरूरी है कि कहीं से आवाज उठे, कोई सार्थक पहल हो। गंभीरता से कार्रवाई हो, तो नशाखोरी खत्म होते देर नहीं लगेगी। इसके लिए दो बातें बहुत जरूरी हैं। एक तो प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिबद्धता तथा दूसरे जनसमूहों की ईमानदारी से पहल। ऐसा अभी तक संभव नहीं हुआ, लेकिन अगर कहीं भी जन-जागरण होता है, तो यह अपने आप में आशा की एक किरण है।

काशी में विक्रमोत्सव- संस्कृति के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण

भारत की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र यदि किसी नगर को कहा जाए तो वह निस्संदेह काशी है। ऐसी पवित्र और ऐतिहासिक नगरी में जब सम्राट विक्रमादित्य की परंपरा को पुनर्जीवित करने वाला विक्रमोत्सव आयोजित होता है, तो वह मात्र एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा के पुनर्जागरण का सशक्त माध्यम बन जाता है।

हाल ही में काशी में आयोजित विक्रमोत्सव ने इसी भावना को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इस आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की सांस्कृतिक धारा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य को दिशा देने वाली जीवंत शक्ति है। इस भव्य आयोजन में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सक्रिय भूमिका और पहल ने इसे विशेष महत्व प्रदान किया।

विक्रमोत्सव के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के शासन, न्याय व्यवस्था और सांस्कृतिक योगदान को जिस भव्यता के साथ प्रस्तुत किया गया, उसने यह संदेश दिया कि भारत के इतिहास में निहित आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। इस आयोजन में प्रस्तुत महानाट्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने हजारों दर्शकों को भारतीय परंपरा और गौरव से जोड़ने का कार्य किया।

इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री ङ्मशद्द-स्रद्धह्व4इट्ठइह्लद्ध की उपस्थिति और उनके वक्तव्य ने इस आयोजन के महत्व को और बढ़ा दिया। उन्होंने जिस प्रकार डॉ. मोहन यादव के प्रयासों की सराहना की, वह केवल औपचारिकता नहीं थी, बल्कि यह उस विचारधारा की स्वीकृति थी, जिसमें संस्कृति को शासन और समाज के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट कहा कि भारत को अपने नायकों, अपनी परंपराओं और अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना चाहिए, और उन्हें जन-जन तक पहुंचाने के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता है।

काशी में विक्रमोत्सव का आयोजन वास्तव में ÷एक भारतङ्कश्रेष्ठ भारत÷ की अवधारणा को साकार करने का उदाहरण भी बना। मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक परंपरा और उत्तरप्रदेश की आध्यात्मिक धारा का यह संगम एक व्यापक राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनकर सामने आया। उज्जैन और काशी–दोनों ही भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर के प्रमुख केंद्र रहे हैं, और इन दोनों के बीच स्थापित यह सांस्कृतिक सेतु भविष्य में और भी सशक्त हो सकता है।

इस आयोजन की एक और महत्वपूर्ण विशेषता रही काशी विश्वनाथ धाम में वैदिक घड़ी की स्थापना। यह केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि भारतीय कालगणना और ज्ञान परंपरा के पुनर्स्मरण का प्रतीक है। यह प्रयास इस बात का संकेत देता है कि आधुनिकता के साथ-साथ अपनी परंपराओं को भी समान महत्व दिया जा सकता है।

विक्रमोत्सव के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि भारत का इतिहास केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे जीवंत अनुभव के रूप में समाज के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए। सम्राट विक्रमादित्य जैसे महान शासकों के आदर्शों को पुनर्स्थापित कर आज की पीढ़ी को प्रेरित किया जा सकता है।

निस्संदेह, काशी में आयोजित यह विक्रमोत्सव भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसने यह सिद्ध किया है कि यदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों को व्यापक दृष्टि और प्रभावी नेतृत्व के साथ आयोजित किया जाए, तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन सकते हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि काशी में हुआ यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक संदेश है–एक ऐसा संदेश जो भारत को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए उसे भविष्य की ओर अग्रसर करता है। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि भारत की शक्ति उसकी संस्कृति में निहित है, और जब यह संस्कृति जागृत होती है, तो राष्ट्र की चेतना भी नई ऊर्जा से भर उठती है।

अत्याचार से आश्रय तक-उप्र में बांग्लादेशी हिंदुओं की नई शुरुआत क्यों देती है बड़ा संदेश

(भावेश पाण्डेय)

अगस्त 2024 से फरवरी 2026 तक बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की लगभग 3100 घटनाएं दर्ज की गई हैं। घर लूटे गए, मंदिर तोड़े गए, महिलाओं पर हमले हुए और कई निर्दोषों की जान चली गई। यह हिंसा कोई अलग घटना नहीं, बल्कि धार्मिक कट्टरता की निरंतर मुहिम है, जिसने बांग्लादेशी हिंदुओं को अपने ही देश में बेघर और असुरक्षित बना दिया है। इन्हीं अत्याचार की घटनाओं के बीच यूपी के लखीमपुर खीरी जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सीधे निर्देश पर बांग्लादेश से आए 331 विस्थापित हिंदू परिवारों को स्थायी रूप से बसाया गया है।

यूपी के लखीमपुर खीरी जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सीधे निर्देश पर बांग्लादेश से आए 331 विस्थापित हिंदू परिवारों को स्थायी रूप से बसाया गया है।पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में हिंदुओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। वहां हिंदुओं पर होने वाले अत्याचार, उनके अधिकारों पर लगाई गई पाबंदियां और धार्मिक मान्यताओं पर लगातार प्रहार उन्हें नर्क की जिंदगी जीने को मजबूर कर देते हैं। बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव के बाद स्थिति और बिगड़ गई है।

अगस्त 2024 से फरवरी 2026 तक बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की लगभग 3100 घटनाएं दर्ज की गई हैं। घर लूटे गए, मंदिर तोड़े गए, महिलाओं पर हमले हुए और कई निर्दोषों की जान चली गई। यह हिंसा कोई अलग घटना नहीं, बल्कि धार्मिक कट्टरता की निरंतर मुहिम है, जिसने बांग्लादेशी हिंदुओं को अपने ही देश में बेघर और असुरक्षित बना दिया है।

इन्हीं अत्याचार की घटनाओं के बीच यूपी के लखीमपुर खीरी जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सीधे निर्देश पर बांग्लादेश से आए 331 विस्थापित हिंदू परिवारों को स्थायी रूप से बसाया गया है।

हालांकि ये 331 परिवार हाल के वर्षों में नहीं आए हैं। ये परिवार 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से धार्मिक अत्याचार, दंगों और अस्थिरता से बचकर भारत आए थे। उस समय ये परिवार लखीमपुर खीरी समेत उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में बस गए थे। उनका प्रारंभिक पुनर्वास वर्षों पहले हो चुका था, लेकिन अब योगी सरकार ने उन्हें स्थायी बसावट, भूमि अधिकार और पूर्ण सम्मान प्रदान कर दिया है।

लखीमपुर खीरी में पुनर्वास का विस्तार- ये परिवार तीन तहसीलों के चार गांवों में बसाए गए हैं। धौरहरा तहसील के सुजानपुर गांव में 97 परिवारों को बसाया गया है। मोहम्मदी तहसील के मोहनपुर ग्रन्ट गांव में 41 परिवारों को जगह दी गई है। मोहम्मदी तहसील के मियांपुर गांव में सबसे अधिक 156 परिवार बसाए गए हैं। गोला तहसील के ग्रन्ट नंबर-3 में 37 परिवारों को बसाया गया है। कुल मिलाकर इन चार गांवों में 331 परिवारों का पुनर्वास किया गया है।

स्थायी बसाव और सरकारी योजनाओं का लाभ- ये परिवार वर्षों पहले अस्थायी रूप से बसाए गए थे, लेकिन अब योगी सरकार ने उन्हें स्थायी पुनर्वास प्रदान कर दिया है। हर परिवार को खेतीबाड़ी के लिए कृषि भूमि आवंटित की गई है। साथ ही, पात्रता के आधार पर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का

लाभ भी दिया जा रहा है। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, विधवा एवं वृद्धावस्था पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना शामिल हैं।

बुनियादी सुविधाओं का प्रावधान- इन परिवारों को बुनियादी सुविधाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। राशन वितरण, टीकाकरण, विकसित भारत जी-राम-जी के तहत रोजगार, स्कूलों में मिड-डे मील, समग्र शिक्षा योजना, स्वच्छ भारत मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से इन गांवों में सड़क, स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह केवल राहत नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ नई जिंदगी की शुरुआत है।

विस्थापित परिवारों की खुशी और आभार

नए पुनर्वास से इन परिवारों के चेहरे खिल उठे हैं। वे खुले मन से योगी सरकार का आभार जता रहे हैं। कई परिवारों का कहना है कि बांग्लादेश में धार्मिक आधार पर जो जख्म उन्हें लगे थे, उन्हें योगी सरकार ने सुविधा, सुरक्षा और सम्मान देकर नर्क से बाहर निकाला है। दशकों तक अनिश्चितता और भय में जीने के बाद उन्हें अब अपना खेत, अपना घर और अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य नजर आ रहा है। योगी आदित्यनाथ की सभ्यतागत सोच

यह पहल योगी आदित्यनाथ की सोच को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। उन्होंने बार-बार कहा है कि बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा करना और संकट के समय में उनका समर्थन करना हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य है। उनका प्रसिद्ध नारा 'बटेंगे तो कटेंगे' इसी एकता और सजगता का संदेश देता है। दुनिया में शायद ही कोई अन्य देश हो जो धार्मिक अत्याचार से पीड़ित हिंदुओं के लिए बाहें फैलाकर स्वागत के लिए तैयार हो। लखीमपुर खीरी का यह मॉडल उसी सभ्यतागत जिम्मेदारी का व्यावहारिक रूप है।

भारत हर हिंदू का आश्रयस्थल- बांग्लादेश में आज भी हिंदू परिवारों पर हमले जारी हैं, मंदिरों की तोड़फोड़ हो रही है और अल्पसंख्यक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में योगी सरकार इन विस्थापितों को जमीन, योजनाओं और सम्मान देकर एक मजबूत संदेश दे रही है-भारत हिंदू पीड़ितों के लिए आश्रय स्थल है।भले ही आलोचक इसे राजनीतिक कदम कह सकते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि इन परिवारों को वोट बैंक नहीं, बल्कि आर्थिक स्वावलंबन और सामाजिक एकीकरण का आधार दिया जा रहा है। खेती की जमीन, ऋण सुविधा, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं-ये सब वे चीजें हैं जो बांग्लादेश में उन्हें व्यवस्थित रूप से छीनी गई थीं।

भविष्य के लिए मिसाल- लखीमपुर खीरी में बांग्लादेशी हिंदुओं का पुनर्वास केवल एक स्थानीय प्रशासनिक कार्य नहीं है। यह सभ्यतागत जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण है। यह याद दिलाता है कि हिंदू-बहुल भारत की पहचान के साथ-साथ अपने सभ्यतागत बंधुओं की रक्षा करना भी उसकी नैतिक जिम्मेदारी है।

जब तक योगी सरकार अवैध घुसपैठ पर सख्ती और सच्चे शरणार्थियों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाएगी, तब तक पड़ोसी देशों से आने वाले पीड़ित हिंदुओं को उम्मीद बनी रहेगी। लखीमपुर खीरी के गांवों में अब जो परिवार अपने खेतों में काम कर रहे हैं, उनके लिए अत्याचार की लंबी रात खत्म हो चुकी है और सम्मानजनक भविष्य की सुबह शुरू हो गई है।लेखक इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में अधिवक्ता हैं। राजनीतिक-सामाजिक मुद्दों पर निरंतर लेखन करते हैं। इस लेख में लेखक के निजी विचार हैं।

निर्माण कर दौरान ठेकेदार ने गिराए सैकड़ों बेशकीमती सागौन एवं इमारती पेड़

बीजापुर में 2000 करोड़ की सड़कों में कागजी विकास का खेल उजागर

बीजापुर । बीजापुर जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रही सड़कों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। नेलाकांकेर-कमलापुर सड़क निर्माण में भारी अनियमितताएं उजागर हुई हैं, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, मुख्य ठेकेदार ने काम को पेटी ठेकेदार को सौंपकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। इसके चलते निर्माण कार्य में न तो मानकों का पालन हो रहा है और न ही किसी प्रकार की निगरानी दिखाई दे रही है। जांच में सामने आया है कि पुल निर्माण में निर्धारित 40एमएम और 20एमएम गिट्टी की जगह सीधे नदी के बड़े-बड़े बोल्डरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं, सीमेंट की मात्रा कम रखकर रेत अधिक मिलाई जा रही है, जिससे निर्माण की मजबूती पर गंभीर असर पड़ रहा है। इतना ही नहीं, निर्माण के बाद आवश्यक क्यूरिंग (पानी से मजबूती देने की प्रक्रिया) भी नहीं की जा रही, जिसके कारण पुलिया कुछ ही दिनों में कमजोर पड़ती नजर आ रही है। स्थानीय स्तर पर देखा गया कि कई जगहों पर पुलिया और सड़क में निर्माण के तुरंत बाद ही दरारें दिखाई देने लगी हैं। ऐसी स्थिति में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, जिससे आम जनता की जान जोखिम में पड़ सकती है। यह पूरा मामला दर्शाता है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जमीनी स्तर पर विकास नदारद है। जनता के टैक्स का पैसा कागजों में सड़क बनाकर हजम किया जा रहा है, जबकि वास्तविकता में घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि इतनी बड़ी अनियमितताओं के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी अब तक चुप क्यों हैं? क्या यह पूरा खेल मिलीभगत से चल रहा है? और आखिर कब तक इस पर कार्रवाई होगी? पीएमजीएसवाय विभाग के ठेकेदार ने सड़क निर्माण के दौरान पोकलेन मशीन से बेशकीमती सागौन के पेड़ों के अलावा इमारती पेड़ों को भी गिरा दिया। वहीं जंगल में गिरे सागौन के पेड़ों को आग के हवाले कर दिया।जिससे लाखों के सगौन राख में तब्दील हो गए। लगातार सामने आ रही शिकायतें यह संकेत दे रही हैं कि बीजापुर में पीएमजीएसवाय अब विकास योजना कम और भ्रष्टाचार का केंद्र ज्यादा बनता जा रहा है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पर कब और क्या कार्रवाई करता है।

रेत माफिया पर प्रशासन का कड़ा प्रहारः अवैध खनन करते पकड़ी गई पोकलेन मशीन जब्त

जगदलपुर। जिले में अवैध खनिज उत्खनन के विरुद्ध लगातार खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसील बकावंड के ग्राम बेलगांव-बनियागाँव में रेत के अवैध उत्खनन की शिकायत मिलने पर खनिज विभाग द्वारा 26 मार्च 2026 को औचक निरीक्षण किया गया था, जिसमें अवैध उत्खनन करते पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर मौके पर एक पोकलेन मशीन को सील किया गया था। इसके पश्चात सूचना प्राप्त हुई कि उक्त मशीन के माध्यम से पुनः अवैध उत्खनन का प्रयास किया जा रहा है। इस पर 01 अप्रैल 2026 को खनिज एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मशीन को शिफ्टर के माध्यम से थाना लाने का प्रयास किया गया, लेकिन ग्रामीणों के विरोध एवं अन्य कारणों से उस दिन मशीन को थाना नहीं लाया जा सका। बकावंड एसडीएम विपिन दुबे (आईएएस) के नेतृत्व में खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा पुनः कार्रवाई की गई। इस दौरान जप्त पोकलेन मशीन को शिफ्टर के माध्यम से पुलिस थाना सिटी कोतवाली जगदलपुर लाकर सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है, जहां प्रकरण में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।खनि अधिकारी ने बताया कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण और परिवहन पर सतत निगरानी रखी जा रही है और नियमों के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री के नाम को मिट्टी में मिलाने में जुटा पीएमजीएसवाय विभाग : महेश गागड़ा

■ कहा- दोषी ठेकेदारों व अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई

बीजापुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माणाधीन सड़कों और पुलियाओं में कथित भ्रष्टचार का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा लगातार मिल रही गुणवत्ताहीन निर्माण की शिकायतों के बाद यह मुद्दा गंभीर हो गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की थी। इस योजना का उद्देश्य 500 से अधिक आबादी वाले गांवों को पक्की सड़कों के माध्यम से शहरों से जोड़ना था,ताकि ग्रामीण विकास को गति मिल सके और किसान अपनी उपज को आसानी से बाजार तक पहुंचा सकें। लेकिन बीजापुर जिले में इस महत्वाकांक्षी योजना की हालत चिंताजनक नजर आ रही है। आरोप है कि पीएमजीएसवाय विभाग और ठेकेदारों की मिलीभगत से सड़कों और पुलियाओं का निर्माण बेहद घटिया गुणवत्ता के साथ किया जा रहा है। कई जगहों पर निर्माण इतना कमजोर है कि पुलिया हाथ से उखड़ने की स्थिति में है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अब ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत पूर्व मंत्री महेश गागड़ा और जिला कलेक्टर से की है। मीडिया द्वारा सवाल पूछे जाने पर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने कहा कि मीडिया में लगातार प्रकाशित खबरों और ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और संबंधित विभाग के मंत्री से चर्चा की ह पूर्व मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी निर्माणाधीन सड़कों को गुणवत्ता मानकों के अनुसार पूर्ण कराया जाएगा।साथ ही, जहां भी लापरवाही या अनियमितता पाई जाएगी, वहां दोषी ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि सरकार विकास कार्यों में किसी भी प्रकार के भ्रष्टचार को बर्दाश्त नहीं करेगी और जनता को टिकाऊ व बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। मीडिया में खबरे आने के बाद विभाग आया हरकत में।पीएमजीएसवाय विभाग ने आनन-फानन ने गुणवत्ताहीन तरीके से बने कई पुलिया को तोड़ दिया। विभाग द्वारा किए गए कार्यवाही की जानकारी लेने पीएमजीएसवाय के एसडीओ जांगडे को फोन पर जानकारी लेनी चाही तो साहब का फोन बंद मिला। विभाग के इंजीनियर राजेन्द्र सिंह का कहना है मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग द्वारा अब तक 03 पुलिया को तोड़ा गया साथ ही गुणवत्ताहीन कार्यो को लेकर ठेकेदार को नोटिस देने की तैयारी में है विभाग।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से होगा मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान का ऐतिहासिक आगाज

जगदलपुर। बस्तर संभाग के स्वास्थ्य ढांचे में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आगामी सोमवार को एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान तथा अटल आरोग्य लैबोरेटरी का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री जी के हाथों होने वाले इस महत्वपूर्ण उद्घाटन को लेकर पूरे जिले में भारी उत्साह है और इस पल को यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस ऐतिहासिक अवसर की महत्ता को देखते हुए राज्य स्तर से यह निर्देशित किया गया है कि मुख्यमंत्री के संबोधन और शुभारंभ कार्यक्रम की जानकारी जन-सामान्य तक सीधे पहुंचे। इसके लिए तकनीक का सहारा लेते हुए बस्तर जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम की सजीव वेबकास्टिंग सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा शुरू किए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदूर अंचलों तक पहुंचाना है। इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए ग्राम पंचायतों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है। ग्राम पंचायत सचिवों और नोडल अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे मुख्यमंत्री जी के इस विजन को धरातल पर उतारने के लिए तत्काल सभी आवश्यक तकनीकी प्रबंध पूर्ण करें।

गर्मी में राहत हेतु बस्तर में हैंडपंप संधारण अभियान तेज, महिला तकनीशियन बनी बदलाव की ताकत

जगदलपुर। ग्रीष्मकाल में पूरे बस्तर संभाग में हैंडपंप संधारण का विशेष अभियान तेजी से संचालित किया जा रहा है। विगत 15 मार्च से 15 अप्रैल 2026 तक चलने वाले इस अभियान में सभी जिलों में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के तहत विशेष रूप से अंदरूनी दुर्गम एवं पहाड़ी बसाहटों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को गर्मी के दौरान पेयजल की उपलब्धता हो सके। इस अभियान की खास बात यह है कि इसमें महिला शक्ति भी अहम भूमिका निभा रही है। राज्य शासन द्वारा नियुक्त महिला हैंडपंप तकनीशियन गांव-गांव पहुंचकर न सिर्फ हैंडपंपों की मरम्मत कर रही हैं, बल्कि ग्रामीणों को जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति भी जागरूक कर रही हैं। यह अभियान ना केवल पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने में मददगार साबित हो रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जनसहभागिता और महिला सशक्तिकरण का भी अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी बस्तर परिक्षेत्र से मिली जानकारी के अनुसार प्रत्येक जिले में 2 से 3 मोबाइल संधारण वाहन तैनात किए गए हैं। इन वाहनों में तकनीकी टीम के साथ जीआई पाइप, रॉड एवं अन्य आवश्यक स्पेयर पार्ट्स उपलब्ध है, जिससे शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंचकर त्वरित मरम्मत की जा रही है। अभियान के तहत अब तक कुल 1273 हैंडपंपों का सुधार किया जा चुका है, जिसमें बस्तर मंडल में 856 तथा कोंडागांव मंडल में 417 हैंडपंपों की मरम्मत शामिल है। वर्तमान में यह अभियान निरंतर जारी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर 1916 जारी किया गया है, जिसके माध्यम से ग्रामीण सीधे सूचना दे सकते हैं। इसके अलावा सरपंच, सचिव एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा मोबाइल के जरिए भी शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं, जिन पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही आवश्यकता वाले गांवों एवं बसाहटों में नए नलकूप खनन कर हैण्डपम्प स्थापित किए जा रहे हैं। इस कार्य के लिए पूरे बस्तर संभाग में कुल सात नलकूप खनन वाहन सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत कोड़ेनार के पटेल पारा में भाजपाइयों ने लगाई चौपाल किया गांव भ्रमण

किरंदुल। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत गांव चलो अभियान में 12 अप्रैल रविवार ग्राम पंचायत कोड़ेनार के पटेल पारा में चौपाल लगाई और गांव भ्रमण किया।कार्यक्रम प्रभारी भावना सक्सेना व कार्यक्रम अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष रूबी सैलेन्द्र सिंह ने ग्रामीणों को केंद्र सरकार व राज्य सरकार की आवास योजना ,मातृत्व वंदन,महतारी वंदन, अंत्योदय मुफ्त राशन,आयुष्मान योजना किसान सम्मान निधि,नलजल योजना जैसी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ जिन्हे मिल रहा हैं उनसे बात की तथा जिन्हे अभी योजना का लाभ नहीं मिल रहा उन्हें लेने को प्रेरित किया साथ ही और जो समस्याएं उत्पन्न हो रही है उसके निदान के उपाए बताए साथ ही ग्राम की समस्याएं भी सुनी।

समस्याओ के निदान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंडल प्रभारी व संगठन जिला महामंत्री सत्यजीत सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, महामंत्री विक्रम

जिला जेल सुकमा में बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल, फास्ट फूड प्रशिक्षण से बदलेगी जिंदगी

सुकमा । जिला जेल सुकमा में बंदियों के पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की जा रही है। जेल प्रशासन द्वारा बंदियों को कौशल विकास के तहत विभिन्न प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, ताकि वे जेल से बाहर निकलने के बाद सम्मानजनक जीवन जी सकें। इसी क्रम में रायपुर से आई मास्टर ट्रेनर ज्योति पाल द्वारा 12 दिवसीय फास्ट फूड प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में 35 बंदी भाग ले रहे हैं। उन्हें मोमोज, छोले-भटूरे, पानी पूरी, भेल पूरी, कचौड़ी, समोसा, नूडल्स, चाउमिन, सैंडविच, बर्गर, पुलाव और बिरयानी जैसे लोकप्रिय व्यंजन बनाना सिखाया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए आवश्यक सामग्री जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है और बंदियों को प्रायोगिक रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण ले रहे बंदियों ने इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया। बंदी दिर्दो महेश ने बताया कि उन्होंने फ्राइड राइस, चाइनीज पकौड़ा, गोभी चिली और मंचूरियन बनाना सीख लिया है। वहीं बंदी अशोक कुमार ने कहा कि वे मोमोज और पानी पूरी जैसे व्यंजन बनाना सीखकर भविष्य में स्वयं का रोजगार शुरू करना चाहते हैं। सहायक जेल अधीक्षक राजेश बिसेन ने बताया कि बंदियों को नई दिशा देने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बंदियों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए योग, साक्षरता अभियान और प्रेरणात्मक गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। जिला जेल सुकमा की यह पहल बंदियों को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह कार्यक्रम प्रशासन की सकारात्मक सोच और दूरदर्शिता का उदाहरण है।

कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान : यौन उत्पीड़न रोकथाम पर विशेष कार्यशाला

बीजापुर । बीजापुर में महिलाओं के प्रति कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी (डी.पी.ओ.) बिस्मिता पाटले, एसडीएम जागेश्वर कौशल तथा डीएसपी विनीत साहू उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने -चुप्पी तोड़ें- का संदेश देते हुए महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सभी कर्मचारियों को आपसी सदभावना से कार्य करने, सहयोगी वातावरण बनाने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। कार्यशाला में लगभग 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जनपद पंचायत, जिला पंचायत, नगरपालिका, पुलिस विभाग सहित विभिन्न निजी संस्थानों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

ग्रामीण युवाओं को मिला सशक्त भविष्य का रास्ता, परिवहन अधिकारी ने प्रशिक्षणार्थियों को बांटे लर्निंग लाइसेंस

सुकमा। जिले में प्रशासन द्वारा ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला परिवहन अधिकारी एस.बी. रावटे के नेतृत्व में उनके एवं उनके सहयोगी मनीष कामटे के द्वारा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), सुकमा में एलएमवी ऑनर ड्राइवर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों को लर्निंग लाइसेंस का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी रावटे ने उपस्थित युवाओं को परिवहन नियमों, सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के महत्व की जानकारी देते हुए उन्हें नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित ड्राइविंग केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रति भी एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है। आरसेटी सुकमा में संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बैच नंबर 26 में कुल 35 युवाओं को वाहन चलाने का व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण बैच 16 मार्च से 14 अप्रैल तक संचालित होगा, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को वाहन संचालन के साथ-साथ वाहन की मरम्मत, रोड संकेतकों की पहचान तथा ट्रैफिक नियमों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम मे फैकल्टी खुशाल चन्द्र केशरवानी तथा मास्टर ट्रेनर दिलिप साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नन्हे सितारे प्रतियोगिता में बच्चों ने छोड़ी अमिट छाप, कलेक्टर के हाथों मिला सम्मान

जगदलपुर। बस्तर जिला प्रशासन और ओपन लिंक्स फाउंडेशन की अनूठी पहल नन्हे सितारे के भव्य समापन के साथ ही जिले के बच्चों की प्रतिभा को एक नया और शानदार मंच प्राप्त हुआ है। इस प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कुम्हरावंड स्थित शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा पुरस्कृत किया गया, जो न केवल बच्चों की कड़ी मेहनत का सम्मान था बल्कि उनके भविष्य के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन भी साबित हुआ। कलेक्टर ने विजेता बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और इस बात पर विशेष बल दिया कि नई शिक्षा नीति के दौर में बच्चों का विकास केवल पाठ्य पुस्तकों के भीतर सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अपने उद्बोधन में स्पष्ट किया कि पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को व्यावहारिक अनुभव और एक्सपोजर की सख्त जरूरत है, ताकि उनके भीतर की झिझक पूरी तरह दूर हो सके और वे आत्मविश्वास के साथ दुनिया का सामना कर सकें। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक मंच-अनेक प्रतिभाएँ के ध्येय वाक्य के साथ यह जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जो स्कूल से लेकर क्लस्टर और ब्लॉक स्तर तक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता इसका समावेशी स्वरूप रहा, जहाँ ओपन लिंक्स फाउंडेशन के सहयोग से बिना किसी शुल्क के बच्चों को कविता पाठ, कहानी सुनाना, स्पेलिंग-बी और स्पोकन इंग्लिश जैसी गतिविधियों के माध्यम से अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिला।

कलेक्टर ने शिक्षा के विभिन्न स्तरों के

आखिरी मिनट का गोल, ब्रदर्स-11 कोंटा ने जीता अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट

कोंटा । कोंटा के समीप पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के जिला अल्लूरी सीताराम राजू के चिंतूर ब्लॉक में आयोजित 3 दिवसीय अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल मुकाबला मन्यम एफसी चिंतूर बनाम ब्रदर्स-11 कोंटा के बीच खेला गया। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अंतिम क्षण तक दोनों टीमें गोल के लिए संघर्ष करती रहीं। मैच के आखिरी समय में ब्रदर्स-11 कोंटा के खिलाड़ी नीतीश कश्यप (जर्सी नंबर 7) ने शानदार गोल दागकर अपनी टीम को विजेता बना दिया। मैच इतना रोमांचक रहा कि अंतिम मिनट तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं।

मन्यम एफसी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सकी। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 50,000 रुपये एवं ट्रॉफी सोढ़ी नागेश्वरराव और पूनेम प्रदीप द्वारा प्रदान की गई, जबकि द्वितीय पुरस्कार 30,000 रुपये सहित ट्रॉफी विनोद राव ने प्रदान की। वहीं मन्यम एफसी के खिलाड़ी मनीकंधा को बेस्ट स्कोरर का पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर आयोजकों ने कहा कि ऐसे फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित करने का उद्देश्य अंदरूनी क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करना है, ताकि वे आगे बढ़कर अपने खेल का प्रदर्शन कर सकें।

उल्लेखनीय है कि ब्रदर्स-11 कोंटा छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में आयोजित सुकमा प्रीमियर लीग की डिफेंडिंग चैंपियन टीम भी रही है और इस जीत के साथ टीम ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

संक्षिप्त समाचार

यात्री सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आधुनिक सुविधाओं का व्यापक विस्तार!

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान यात्री सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता के सिद्धांत को अपनाते हुए स्टेशनों पर आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों तथा दिव्यांगजनों की सुविधा को केंद्र में रखते हुए विभिन्न यात्री हितकारी पहलें सफलतापूर्वक क्रियान्वित की गई हैं। यात्रियों के सुरक्षित एवं सुगम आवागमन को सुनिश्चित करने हेतु इस वर्ष 12 नए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण एवं कमीशनिंग किया गया है। इनमें 4 स्टेशनों पर 12 मीटर चौड़े, 1 स्टेशन पर 6 मीटर चौड़ा तथा 7 अन्य स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज शामिल हैं। इन सुविधाओं से प्लेटफॉर्मों के बीच आवागमन अधिक सुरक्षित, तेज एवं सुविधाजनक हुआ है। यात्रियों को ट्रेनों में चढ़ने-उतरने में अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से 9 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म की ऊँचाई बढ़ाई गई है। साथ ही, 3 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले सिस्टम स्थापित किया गया है, जिससे यात्रियों विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं बच्चों को अपने कोच की सही जानकारी समय पर उपलब्ध हो रही है। स्टेशन विकास के अंतर्गत 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत 47 स्टेशनों में से 22 स्टेशनों पर कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जो स्टेशनों को आधुनिक, स्वच्छ एवं यात्री अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अतिरिक्त, 17 स्टेशनों पर दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं के दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया गया है, जिससे सभी वर्गों के यात्रियों को समान एवं सहज यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों तथा दिव्यांगजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष 14 यात्री लिफ्ट एवं 12 एस्केलेटर का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया गया है। यह उल्लेखनीय वृद्धि है, जो रेलवे की समावेशी एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली को दर्शाता है। इन सुविधाओं के माध्यम से यात्रियों को प्लेटफॉर्मों के बीच आवागमन में अत्यधिक सहूलियत प्राप्त हो रही है। इन सभी उपलब्धियों को श्री तरुण प्रकाश महाप्रबंधक के कुशल निर्देशन एवं सतत प्रोत्साहन में हासिल किया गया है, जिनके नेतृत्व में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरंतर यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं सेवा गुणवत्ता में सुधार की दिशा में अग्रसर है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की ये सभी उपलब्धियाँ न केवल यात्री सुविधाओं के विस्तार को दर्शाती हैं, बल्कि यह भी स्पष्ट करती हैं कि संगठन सुरक्षित, सुलभ एवं आधुनिक रेल यात्रा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी इसी दिशा में नवाचार एवं सुधार के माध्यम से यात्रियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान की जाती रहेंगी।

आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु कोंडतराई समपार फाटक बंद रहेगी

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत किरोड़ीमल नगर-भूपदेवपुर स्टेशनों के मध्य किमी 599/17-19 पर स्थित मानव सहित समपार संख्या 297(कोंडतराई फाटक) को दिनांक 13 अप्रैल 2026 शाम 06 बजे से दिनाँक 14 अप्रैल 2026 सुबह 06 बजे तक बीसीएम डीप स्क्रीनिंग कार्य (मरम्मत कार्य) हेतु सड़क यातायात के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। उक्त समपार पर मरम्मत कार्य के दौरान यातायात के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पास में ही स्थित (समपार संख्या 298) बेल्झरी फाटक से उपलब्ध है । रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है।

कलेक्टर ने जनगणना प्रशिक्षण का किया निरीक्षण, गुणवत्ता पर दिया जोर

जनगणना कार्य में त्रुटि न हो:कलेक्टर संजय अग्रवाल

■ सटीक आंकड़ों के लिए गंभीरता से कार्य करने दिए निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने जनगणना कर्मियों के प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने जिले में संचालित जनगणना कर्मियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का सरकंडा स्थित स्वामी आत्मानंद पंडित रामदुलारे बालक विद्यालय एवं लाल बहादुर शास्त्री हायर सेकेण्डरी स्कूल शनिचरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की प्रक्रिया, उपस्थित कर्मियों की सहभागिता तथा दिए जा रहे विषय-वस्तु की जानकारी ली। उन्होंने मास्टर ट्रेनर्स से प्रशिक्षण मॉड्यूल के बारे में विस्तार से चर्चा की और सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी कर्मियों को जनगणना के प्रत्येक बिंदु को स्पष्ट एवं व्यवहारिक जानकारी दी जाए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्राप्त आंकड़े शासन की नीतियों एवं योजनाओं के निर्माण का आधार बनते हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी गणनाकार एवं पर्यवेक्षक पूरी गंभीरता, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान फील्ड से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर विशेष ध्यान देने, डिजिटल एप्लीकेशन के उपयोग में दक्षता बढ़ाने तथा किसी भी प्रकार की शंका का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान उपस्थिति अनिवार्य सुनिश्चित की जाए और अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि जिले में प्रगणकों का प्रशिक्षण चार चरणों में दिया जा रहा है। पहला चरण 13 से 15 अप्रैल, दूसरा चरण 16 से 18 अप्रैल, तीसरा 20 से 22 अप्रैल एवं चौथा 22 से 24 अप्रैल के बीच संपन्न होगा। राज्य में जनगणना के पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी। जिमसें 16 से 30 अप्रैल तक स्व गणना एवं 1 से 30 मई तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी। 1 से 30 मई 2026 तक प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। हर मकान की जानकारी दर्ज की जाएगी। घर की स्थिति, सुविधाएं और मूलभूत जानकारी संकलित की जाएगी। जनगणना अधिनियम के तहत यह जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहेगी।

कलेक्टर ने जारी किए दिशा.... निर्देश,चर्चा के लिए एजेंडा तय

अंबेडकर जयंती पर जिले की सभी 486 ग्राम पंचायतों में 14 अप्रैल को ग्राम सभाएं

बिलासपुर। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर कल 14 अप्रैल को जिले की सभी 486 ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। ग्राम सभाओं में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए विस्तृत एजेंडा भी निर्धारित किया गया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 14 अप्रैल को आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में पूर्व ग्राम सभा में पारित प्रस्तावों के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी। साथ ही पंचायतों के आय-व्यय का अनुमोदन, विकास कार्यों की प्रगति, स्वीकृत एवं व्यय राशि का वाचन भी किया जाएगा। ग्राम सभाओं में पंचायतों के कर निर्धारण एवं वसूली, ऑनलाइन प्रणाली के उपयोग को बढ़ावा देने तथा बकाया राशि की समीक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अलावा पंचायतों के अधिकारियों-कर्मचारियों के लंबित लेखा-जोखा की जानकारी भी प्रस्तुत की जाएगी। राज्य शासन के निर्देशानुसार सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी उपायों पर चर्चा कर जनजागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया जाएगा। साथ ही अवैध नामांतरण एवं बंटवारे के मामलों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन मूल्यांकन (पीआईएस) के अंतर्गत प्राप्त अंकों का ग्राम सभा में प्रदर्शन कर पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर भी चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त ग्राम सभा में जरूरतमंद व्यक्तियों को वितरित किए गए खाद्यान्न की जानकारी, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन की स्थिति, ग्राम संपत्तियों के पंजीयन, तालाबों एवं बाजारों के प्रबंधन, पट्टों की समीक्षा जैसे विषय भी एजेंडा में शामिल किए गए हैं। अनुसूचित क्षेत्रों की पंचायतों में पेसा नियम 2022 के तहत प्रावधानों की जानकारी तथा टीबी मुक्त भारत अभियान पर भी विशेष चर्चा की जाएगी। कलेक्टर ने सभी जनपद

रतनपुर में वन भूमि पर कार्रवाई विवादों में, 'टारगेटेड एक्शन' के आरोप तेज.....

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के रतनपुर में वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अब विवादों के घेरे में आ गई है। प्रशासन द्वारा की गई हालिया कार्रवाई पर स्थानीय लोगों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं और इसे 'टारगेटेड एक्शन' करार दिया है। जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति को अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी कर मात्र तीन दिन की मोहलत दी गई। इसके बाद प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई करते हुए उसका कब्जा हटा दिया। आरोप है कि प्रभावित व्यक्ति को अपनी बात रखने या वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया।मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब पीड़ित पक्ष ने कार्रवाई से पहले पैसे की मांग किए जाने का गंभीर आरोप लगाया। उनका कहना है कि पैसे नहीं देने पर ही उनके खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे मौजूद हैं, जिनमें पक्के मकान और प्लाटिंग तक शामिल है, लेकिन कार्रवाई केवल एक व्यक्ति तक सीमित रही। इससे प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर कई अहम प्रश्न खड़े हो रहे हैं—क्या कार्रवाई निष्पक्ष थी, क्या तीन दिन की मोहलत पर्याप्त थी, और क्या पैसे की मांग के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी? वहीं, स्थानीय नागरिकों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए सभी अतिक्रमणकारियों पर समान रूप से कार्रवाई करने की अपील की है। रतनपुर में वन भूमि का यह मामला अब केवल अतिक्रमण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो मामला और अधिक गंभीर रूप ले सकता है।

बिलासपुर हाईकोर्ट में 25 कर्मचारियों को पदोन्नति जारी हुई सूची.....

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित हाईकोर्ट रजिस्ट्री में कार्यरत 25 कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया गया है। इस संबंध में हाईकोर्ट प्रशासन ने आदेश जारी करते हुए पदोन्नत कर्मचारियों की सूची सार्वजनिक की है। जानकारी के अनुसार, पदोन्नति पाने वालों में स्टाफ कार चालक, रिकॉर्ड से जुड़े कर्मचारी, चपरासी सहित अन्य श्रेणी-द्वितीय के कर्मचारी शामिल हैं। इन्हें वेतन मैट्रिक्स के लेवल-4 में कनिष्ठ न्यायिक सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया है। हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक यह पदोन्नति कार्यवाहक (एडहॉक) रूप से दो वर्ष की अवधि के लिए दी गई है, जो उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी। पदोन्नति का अनुपात 1:3 के आधार पर निर्धारित किया गया है। जारी सूची में किरण कुमार, सुनील कुमार मिश्रा, लक्ष्मण यादव, चंद्र शेखर पांडेय, ईश्वर चंद्र यादव, राज कुमार, प्रवीण कुमार श्रीवास, कविता पटेल, संजय कुमार, बबली श्रीवास, अमित कुमार, सनत कुमार वस्त्रकार, ज्ञान सागर साहू, प्रवीण कुमार, अन्नपूर्णा ध्रुव, मनोज कुमार साहू, संजीव कुमार सिंह, कन्हैया लाल, हीरामुनि केरकेट्टा, दुर्गेश कुमार साहू, सीमा वर्मा, चमन गल्हे और सत्यमणि कुशवाह सहित कुल 25 कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया है। इस निर्णय से कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है और इसे उनके कार्यों की सराहना के रूप में देखा जा रहा है।

रेलवन एप:यात्रियों के लिए एक स्मार्ट,सुरक्षित और सर्व-सुविधायुक्त डिजिटल प्लेटफॉर्म.....

■ यात्रियों से आग्रह डिजिटल तकनीकों को बढ़ावा देते हुये 3 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाएँ

बिलासपुर। यात्रियों को आधुनिक, त्वरित एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भारतीय रेलवे द्वारा विकसित रेलवन एप एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल के रूप में उभरकर सामने आया है। यह एप रेलवे की विभिन्न सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत कर यात्रियों के यात्रा अनुभव को और अधिक सरल, सहज एवं प्रभावी बनाता है। रेलवन एप के माध्यम से यात्री ट्रेन संबंधी सभी आवश्यक जानकारियां जैसे टिकट बुकिंग, पीएनआर स्टेटस, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, प्लेटफॉर्म नंबर की जानकारी सहित अनेक सुविधाओं का लाभ एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, एप का उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस, तेज गति एवं सुरक्षित प्रणाली इसे यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी बनाती है। अनारक्षित टिकटों पर 3 प्रतिशत छूट-डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के क्रम में रेलवन ऐप के माध्यम से सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान विकल्पों द्वारा अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है यह सुविधा 14 जुलाई 2026 तक प्रभावी है मंडल द्वारा व्यापक प्रचार- इस सुविधा की जानकारी अधिकाधिक यात्रियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से टिकट घरों के सामने बैनर पोस्टर का प्रावधान, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ-साथ मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से रेलवन ऐप एवं उससे जुड़ी सुविधाओं की जानकारी नियमित रूप से प्रसारित की जा रही है। साथ ही सभी प्रमुख स्टेशनों में वाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षकों व कर्मचारियों द्वारा इस ऐप के फायदों को बताते हुये यात्रियों को इस ऐप को डाऊनलोड कर इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि, रेलवे द्वारा डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए यात्रियों को एकीकृत एवं सहज सेवाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। रेलवन एप के माध्यम से यात्रियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर अनेक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिससे उनका समय बचता है और यात्रा अनुभव बेहतर होता है।

ज्ञानभारत मिशन को गति:कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की पहली बैठक.....

पांडुलिपि संरक्षण के लिए शुरू हुआ खोज अभियान

बिलासपुर। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ज्ञानभारत मिशन के तहत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान को जिले में गति दी जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक के उपरांत समिति ने जिले में पांडुलिपियों की खोज का अभियान भी प्रारंभ कर दिया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलसचिव तारनिश गौतम, साहित्यकार विनय पाठक, सहायक संचालक शिक्षा पी. दासरथी तथा समग्र शिक्षा मिशन के समन्वयक ओम पांडे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान जिले में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों, ताड़पत्रों एवं हस्तलिखित ग्रंथों के चिन्हांकन, सर्वेक्षण और संरक्षण हेतु विस्तृत कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय एवं निजी संग्रह केंद्रों, पुस्तकालयों, मंदिरों, मठों, आश्रमों और व्यक्तिगत संग्रहकर्ताओं के पास उपलब्ध पांडुलिपियों का व्यवस्थित सर्वेक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह अभियान हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का सशक्त माध्यम है, जिसके लिए सभी विभागों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।कलेक्टर ने जिले के नागरिकों, विद्वानों, संस्थाओं एवं निजी संग्रहकर्ताओं से अपील की है कि यदि उनके पास किसी भी प्रकार की प्राचीन पांडुलिपियां, ताड़पत्र या हस्तलिखित ग्रंथ सुरक्षित हैं, तो वे इसकी जानकारी प्रशासन को अवश्य दें। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कई अमूल्य पांडुलिपियां नष्ट हो जाती हैं, जबकि ज्ञानभारत मिशन का उद्देश्य इन्हें डिजिटल रूप में संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है। इस अभियान को तकनीक से भी जोड़ा गया है। नागरिक ज्ञानभारत मोबाइल ऐप के माध्यम से पांडुलिपियों की जानकारी साझा कर सकते हैं। सरल प्रक्रिया के तहत जानकारी दर्ज करने पर विशेषज्ञ टीम संबंधित व्यक्तियों से संपर्क कर संरक्षण की प्रक्रिया प्रारंभ करेगी। कलेक्टर ने इतिहास एवं संस्कृति में रुचि रखने वाले शोधार्थियों और विद्यार्थियों से भी इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया है, ताकि जिले की समृद्ध विरासत का दस्तावेजीकरण कर उसे सुरक्षित रखा जा सके।

पांडुलिपि की तलाश में स्वयं निकले कलेक्टर

समिति की बैठक के पश्चात कलेक्टर के नेतृत्व में समिति के सदस्य पांडुलिपियों की खोज के लिए क्षेत्र भ्रमण पर निकले। इस दौरान वे बिलासपुर के शुभम विहार स्थित पूर्व कुलसचिव और शिक्षाविद श्री नंद किशोर तिवारी के निवास पहुंचे, जहां पांडुलिपियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। श्री तिवारी ने बताया कि बिलासपुर सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध रहा है और आज भी कई प्राचीन पांडुलिपियां मंदिरों, मठों और पुजारियों के पास सुरक्षित हैं। उन्होंने इस अभियान की सराहना करते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

पुणे-सांतरागाछी-पुणे के मध्य 02-02 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

बिलासपुर। ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पुणे-सांतरागाछी पुणे के मध्य 02-02 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है गाड़ी संख्या 01429 पुणे-सांतरागाछी स्पेशल ट्रेन पुणे से दिनांक 15 एवं 22 अप्रैल 2026 प्रत्येक बुधवार को चलेगी इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01430 सांतरागाछी-पुणे स्पेशल ट्रेन सांतरागाछी से दिनाँक 17 एवं 24 अप्रैल 2026 प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है गाड़ियों की समय सारिणी गाड़ी संख्या 01429 पुणे- सांतरागाछी स्पेशल ट्रेन, पुणे से दिनांक 15 एवं 22 अप्रैल 2026 प्रत्येक बुधवार को सुबह 10.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया आगमन 04.08 बजे, प्रस्थान 04.10 बजे, दुर्ग आगमन 06.10 बजे, प्रस्थान 06.15 बजे, रायपुर आगमन 06.50 बजे, प्रस्थान 06.55 बजे, बिलासपुर आगमन 08.45 बजे, प्रस्थान 09.00 बजे तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये 21.00 बजे सांतरागाछी स्टेशन पहुंचेगी इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01430 सांतरागाछी पुणे स्पेशल ट्रेन, सांतरागाछी से दिनाँक 17 एवं 24 अप्रैल 2026 प्रत्येक शुक्रवार को 15.45 बजे रवाना होगी तथा तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये।

घर में सुख, शांति के लिए रखें फेंगशुई से जुड़ी ये चीजें

जिस तरह से वास्तु शास्त्र में घर से जुड़ी हर वस्तु की सही दिशा, स्थान, उपाय आदि बताए गए हैं, ठीक इसी तरह फेंगशुई टिप्स भी हैं जिनका ख्याल रखने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। इसलिए फेंगशुई को चीन का वास्तु शास्त्र भी कहते हैं। फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। घर का निर्माण किस प्रकार करें, कैसे घर को सुंदर बनाएं, घर में क्या-क्या सामान होना चाहिए? इन सभी बातों की जानकारी हमें फेंगशुई में आसानी से मिलती है। फेंगशुई मानता है कि घर में कुछ विशेष वस्तुओं को सही दिशा और स्थान पर रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। इसी कड़ी में हम आपको ऐसी 5 फेंगशुई चीजों के बारे में बता रहे हैं, जो आपके घर में सुख, शांति और समृद्धि लाने में सहायक मानी जाती हैं।

तीन टांग वाला मेंढक

फेंगशुई में तीन टांगों वाला मेंढक बेहद शुभ और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। खासतौर पर मुंह में सिक्का दबाए हुए मेंढक को धन आकर्षित करने वाला माना जाता है। इसे घर के अंदर मुख्य द्वार के पास रखना लाभकारी होता है। ध्यान रखें कि इसे रसोई या बाथरूम में न रखें, क्योंकि ऐसा करना नकारात्मक प्रभाव ला सकता है।

फेंगशुई कछुआ

फेंगशुई के मुताबिक कछुआ दीर्घायु, स्थिरता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि यह घर में चल रही बाधाओं को धीरे-धीरे दूर करता है। यदि आप आर्थिक परेशानियों या अनावश्यक खर्च से जूझ रहे हैं, तो धातु का कछुआ रखना शुभ माना जाता है। इसे पानी से भरे कांच के पात्र में रखकर उत्तर दिशा में स्थापित करें। ऐसा करने से धन से जुड़ी स्थिति बेहतर होती है और कार्यों में स्थिरता आती है।

ड्रैगन का जोड़ा

फेंगशुई में दो ड्रैगन का जोड़ा समृद्धि और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। इनके पंजों में मौजूद मोती ऊर्जा का प्रमुख स्रोत माने जाते हैं। ड्रैगन को फेंगशुई के चार दिव्य प्राणियों में शामिल किया गया है और यह साहस, पुरुषत्व व वीरता का प्रतिनिधित्व करता है। डबल ड्रैगन को घर की किसी भी दिशा में रखा जा सकता है, लेकिन पूर्व दिशा में रखना सबसे अधिक शुभ और लाभकारी माना जाता है।

चीनी सिक्के

फेंगशुई के चीनी सिक्के समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। घर के मुख्य दरवाजे के हैंडल पर सिक्के लटकाना फेंगशुई में धन, संपत्ति और सौभाग्य को आकर्षित करने का आसान उपाय माना जाता है। इसके लिए आप तीन पुराने चीनी सिक्कों को लाल धागे या रिबन में बांधकर दरवाजे के हैंडल पर टांग सकते हैं। ध्यान रखें कि सिक्के दरवाजे की अंदर की ओर लटकें, बाहर की तरफ नहीं। साथ ही, यह उपाय सिर्फ मुख्य द्वार पर ही करें, हर दरवाजे पर सिक्के लगाना सही नहीं माना जाता।

लॉफिंग बुद्धा

अगर आप आर्थिक सफलता पाना चाहते हैं, तो लॉफिंग बुद्धा घर में जरूर रखें। अपने लिविंग रूम में मुख्य द्वार से तिरछी तरफ एक हंसता हुआ लाफिंग बुद्धा रखें। ऐसा करने से आके जीवन में समृद्धि आने के योग बनेंगे। लाफिंग बुद्धा मुख्य द्वार के एकदम सामने न रखें। बुद्धा समृद्धि के देवता हैं। इनकी मुस्कान में ही समृद्धि है। इसके अलावा घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में रखने से धन से जुड़ी एनर्जी एक्टिव होती है।

बैसाखी पर्व का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व

बैसाखी पर्व भारत के सबसे रंगीन और उत्साहपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसे मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर भारत में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। साल 2026 में बैसाखी 14 अप्रैल, मंगलवार को मनाई जाएगी। यह पर्व रबी फसल की कटाई की खुशी का प्रतीक है और सिख समुदाय के लिए गहरा धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व रखता है। बैसाखी ना सिर्फ फसल की बरकत का उत्सव है, बल्कि सिख इतिहास की महत्वपूर्ण घटना से भी जुड़ा हुआ है।

बैसाखी की तारीख और खगोलीय महत्व

बैसाखी हर साल मेष संक्राति यानी सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने के दिन मनाई जाती है। साल 2026 में सूर्य 14 अप्रैल को सुबह में मेष राशि में प्रवेश करेंगे। इसी के साथ बैसाखी का पर्व शुरू हो जाएगा। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में इस दिन को विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है।

बैसाखी का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व

बैसाखी का सबसे बड़ा धार्मिक महत्व 1699 से जुड़ा है। इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने पांच प्यारों को अमृत छकाकर खालसा बनाने की शुरुआत की। इस घटना ने सिख समुदाय को एक नई पहचान, साहस और समानता का संदेश दिया। इसलिए बैसाखी को सिखों का नया वर्ष भी माना जाता है।

किसानों के लिए बैसाखी का महत्व

बैसाखी किसानों के लिए फसल कटाई का त्योहार है। इस पर्व के दौरान गेहूं की फसल पककर तैयार हो जाती है। इस दिन किसान अपनी मेहनत का फल देखकर खुशियां मनाते हैं और भगवान का शुक्रिया अदा करते हैं। बैसाखी के दिन खेतों में नाच-गाना, भांगड़ा-गिद्धा और सामूहिक उत्सव का माहौल होता है।

बैसाखी कैसे मनाई जाती है?

बैसाखी के दिन लोग सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं और गुरुद्वारों में जाते हैं। स्वर्ण मंदिर समेत सभी प्रमुख गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन, अरदास और लंगर का आयोजन होता है। लोग नए कपड़े पहनते हैं, मिठाइयां बांटते हैं और पूरे दिन नाच-गाने में मस्त रहते हैं। घरों में भी विशेष व्यंजन बनाए जाते हैं और परिवार के साथ समय बिताया जाता है।

बैसाखी खुशी, एकता, समृद्धि और नई शुरुआत का त्योहार है। यह हमें सिखाता है कि मेहनत का फल आखिरकार मीठा ही होता है। 14 अप्रैल 2026 को बैसाखी के इस पावन अवसर पर आप भी अपने परिवार और समाज के साथ इस त्योहार को उत्साह और भक्ति के साथ मनाएं।

हाथ में भी होती है झुनझुनी और सुन्नपन जानें किस वजह से

क्या आपके हाथों में बार-बार झुनझुनी या सुन्नपन महसूस होता है? कई लोग इसे मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यह शरीर का एक संकेत भी हो सकता है, जिसे समझना जरूरी है। अक्सर यह समस्या तब महसूस होती है जब हम गलत पोजीशन में सो जाते हैं या लंबे समय तक एक ही स्थिति में हाथ रखते हैं। ऐसे में नसों पर दबाव पड़ता है या खून का प्रवाह कुछ समय के लिए कम हो जाता है, जिससे झुनझुनी होने लगती है।

कब होती है दिक्कत?

लेकिन अगर यह परेशानी बार-बार होने लगे या लंबे समय तक बनी रहे, तो इसके पीछे कोई खास कारण भी हो सकता है। theheartysoul की रिपोर्ट के अनुसार, सबसे आम वजहों में से एक है कार्पल टनल सिंड्रोम, जिसमें कलाई की नस दब जाती है और अंगूठे, उंगलियों में झुनझुनी या दर्द होने लगता है। कभी-कभी समस्या कलाई में नहीं, बल्कि कोहनी या गर्दन से भी जुड़ी हो सकती है। नसों में कहीं भी दबाव आने से हाथ तक इसका असर पहुंच सकता है, जिससे झुनझुनी और कमजोरी महसूस होती है।

ब्लड सर्कुलेशन और डायबिटीज भी कारण

खराब ब्लड सर्कुलेशन भी इसका एक कारण हो सकता है। ठंड में या अचानक तापमान बदलने पर उंगलियां सुन्न पड़ सकती हैं और रंग भी बदल सकता है, जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, डायबिटीज जैसी बीमारियां भी नसों को प्रभावित कर सकती हैं। जब नसें कमजोर होने लगती हैं, तो हाथ-पैरों में झुनझुनी, जलन या सुन्नपन महसूस होने लगता है।

विटामिन B12 की कमी

विटामिन B12 की कमी भी एक अहम कारण है, जो धीरे-धीरे नसों को नुकसान पहुंचा सकती है. कई बार लोग थकान या कमजोरी को नजरअंदाज करते रहते हैं, लेकिन यह संकेत हो सकता है कि शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी है. कुछ मामलों में थायरॉयड की समस्या भी हाथों में झुनझुनी का कारण बन सकती है. शरीर का मेटाबॉलिज्म बिगड़ने से नसों पर असर पड़ता है और यह समस्या बढ़ सकती है.

शरीर के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी

प्रोटीन का काम मांसपेशियों को बनाना और उन्हें मजबूत बनाना होता है। कुछ लोगों का मानना है कि इसकी जरूरत सिर्फ जिम जाने वालों को होती है। जबकी ऐसा नहीं है, क्योंकि चलने-फिरने और शारीरिक ताकत के लिए भी प्रोटीन जरूरी है। हमारे शरीर में हर समय पुरानी कोशिकाएं मरती हैं और नई बनती हैं। घाव भरने, चोट ठीक करने और टिशू को फिर से बनने के लिए प्रोटीन की ही जरूरत होती है। वेजिटेरियन लोग अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि प्रोटीन के लिए वह क्या खाएं। इंस्टाग्राम पर जनरल फिजिशन एंड डायबिटीज स्पेशलिस्ट डॉक्टर कोमल कुलकर्णी ने इंडियन डायट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने के लिए क्या खाएं के बारे में बताया है।

1) दाल :- दाल 'सुपरफूड' की तरह काम करती है। डायट में प्रोटीन को शामिल करने के लिए मिक्स दाल खाएं। डॉक्टर कहती हैं कि इसकी कंसिस्टेंसी थोड़ी गाढ़ी रखें और इसमें पनीर को कद्दूकस करके शामिल करें।

2) दही :- दही सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। इंडियन खाने में इसे अमृत माना जाता है। डॉक्टर प्रोटीन के लिए हंग कर्ड खाने की सलाह देती हैं। दिनभर में दो कटोरी खा सकते हैं। चाहें तो इसे पोहा के साथ मिलाकर खा सकते हैं।

3) रोटी :- इंडियन थाली रोटी जरूर होती है। सिर्फ गेहूं के आटे की रोटी खाने से अच्छा है कि आप रोटी के आटे में बेसन या फिर सोया का आटा मिलाए। इसके अलावा और आटे में मैश किया पनीर भी मिला सकते हैं।

4) स्नैक्स :- लंच के बाद शाम के समय हल्की भूख लगने लगती है। शाम के समय स्नैक्स में नमकीन -बिस्कुट को छोड़कर रोस्टेड चना और मूंगफली को शामिल करें।

5) चावल :- चावल कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है। हमारा शरीर कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज में तोड़ता है, जो शरीर को तुरंत काम करने की ताकत देता है। डॉक्टर प्लेन चावल की जगह खिचड़ी खाएं।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए मानसिक तनाव और उलझनों से भरा रह सकता है। किसी जरूरी कार्य को लेकर चिंता बनी रहेगी, जिससे आपका फोकस बार-बार भटक सकता है। व्यापार-व्यवसाय में नुकसान के संकेत हैं, इसलिए किसी भी प्रकार का बड़ा निर्णय सोच-समझकर लें। खासकर पार्टनर पर आंख बंद करके भरोसा करना भारी पड़ सकता है।

वृषभ राशि - आज का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आ सकता है। यदि आप किसी नए कार्य की शुरुआत करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ के संकेत हैं और कोई नई पार्टनरशिप आपको आर्थिक मजबूती दे सकती है। परिवार में सकारात्मक माहौल रहेगा और पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई मामला आपके पक्ष में जा सकता है।

मिथुन राशि - आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन आपको सतर्क रहने की जरूरत है। स्वास्थ्य में हल्का उतार-चढ़ाव बना रह सकता है, जिससे दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। परिवार में किसी करीबी के व्यवहार से मन अशांत हो सकता है। व्यापार में कोई बड़ा बदलाव करने से बचें, क्योंकि इससे नुकसान हो सकता है।

कर्क राशि - आज आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए यात्रा करनी पड़ सकती है, लेकिन जल्दबाजी से बचें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें, क्योंकि दुर्घटना की संभावना बन रही है। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस हो सकती है और किसी अपने से जुड़ी दुखद खबर मन को परेशान कर सकती है। व्यापार में पार्टनर पर आंख मूंदकर भरोसा करना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए राहत और खुशी लेकर आएगा। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक यात्रा या किसी शुभ कार्य का विचार बन सकता है। घर में मांगलिक कार्य के योग बन रहे हैं और किसी खास मेहमान का आगमन भी संभव है।

कन्या राशि - आज किसी अनुभवी या प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात आपके जीवन की दिशा बदल सकती है। हालांकि स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं और आर्थिक खर्च बढ़ा सकती है। व्यापार में किसी बड़े बदलाव से बचें, क्योंकि जोखिम ज्यादा है। परिवार में पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है।

तुला राशि-आज आपको किसी जरूरी कार्य के लिए यात्रा करनी पड़ सकती है। परिवार में किसी परिचित को खोने का दुखद समाचार मिल सकता है, जिससे मन भारी रहेगा। व्यापार में नुकसान के संकेत हैं और पार्टनर का सहयोग कमजोर पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि – आज का दिन आपके लिए प्रगति का संकेत दे रहा है। लंबे समय से रुका हुआ कार्य किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से पूरा हो सकता है। व्यापार में आर्थिक लाभ होगा और नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। परिवार में सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी से संबंध मजबूत होंगे।

धनु राशि- आज नए कार्य या पार्टनरशिप में जल्दबाजी करना नुकसानदायक हो सकता है। पहले पूरी जानकारी लें, फिर ही निर्णय लें। किसी को उधार देना कल भारी पड़ सकता है। परिवार में जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं और बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंता बनी रहेगी।

मकर राशि - आज स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतें, खासकर बीपी या तनाव से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी। बच्चों की पढ़ाई के लिए स्थान परिवर्तन का विचार बन सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी।

कुंभ राशि- आज किसी अनजान व्यक्ति की बातों में आकर आप अपने पार्टनर पर शक कर सकते हैं, जिससे रिश्ते में तनाव बढ़ सकता है। बिना प्रमाण के आरोप लगाने से बचें, संयम और समझदारी से काम लें, वरना संबंध खराब हो सकते हैं।

मीन राशि- आज आपके प्रयासों में बाधाएं आ सकती हैं और विरोधी सक्रिय रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको दबाव महसूस हो सकता है। व्यापार में गिरावट का अनुभव होगा। हालांकि स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें।

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

शरीर को ठंडा और शांत रखने में मददगार टिप्स

गर्मियों के मौसम में अचानक पसीना, हॉट फ्लैशेज, एसिडिटी, खराब नींद, स्किन में समस्याएं जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। यहां शरीर को ठंडा रखने और शांत रखने में मदद करने वाले 10 आयुर्वेदिक टिप्स के बारे में बता रहे हैं। कुछ शानदार आयुर्वेदिक टिप्स

गर्मियों में जब शरीर बहुत ज्यादा गर्म होता है तब आपको अचानक पसीना, हॉट फ्लैशेज, एसिडिटी, खराब नींद, स्किन में समस्याएं जैसे लक्षण दिख सकते हैं। आयुर्वेद में इसका मतलब पित्त इंबैलेंस होता है। यहां आयुर्वेदिक एक्सपर्ट दीक्षा भावसार द्वारा बताई 10 सिंपल आयुर्वेदिक तरीकों के बारे में बता रहे हैं जो शरीर को नैचुरली ठंडा और शांत रखने में मदद करेंगी।

नारियल पानी

ये शरीर को नैचुरली ठंडा रखता है। इसे पीने पर इलेक्ट्रोलाइट्स बैलेंस होते हैं और शरीर की अंदरूनी गर्मी कम होती है। एक गिलास फ्रेश नारियल पानी दोपहर या सुबह 10 से 12 बजे के बीच पिएं।

भिगी हुई किशमिश या मुनक्का

ये शरीर को नैचुरली ठंडा रखने और हार्मोन बैलेंस करने में मदद करती है। इसके अलावा ये शरीर की गर्मी कम करने में भी मददगार होता है। 8 से 10 काली किशमिश को रातभर भिगोएं और फिर सुबह किशमिश खाएं और पानी पिएं।

सबजा सीड्स

ये शरीर को तुरंत ठंडा करने, एसिडिटी कम करने और बॉडी टेम्परेचर को मेंटेन करने में मदद करता है। एक चम्मच सबजा सीड्स को 10 से 15 मिनट के लिए भिगोएं। फिर इन बीजों को नारियल पानी, नींबू पानी या छाछ में मिलाकर पिएं।

धनिया का पानी

ये लिवर डिटॉक्स करने और बॉडी हीट को कम करने में मदद करता है। ये हार्मोन बैलेंस करने में मदद करता है। इसके लिए एक चम्मच धनिया बीज को रातभर पानी में भिगोएं और फिर अगली सुबह पिएं।

गाय का घी

नर्सों को शांत करने, बॉडी हीट को कम करने और स्लीप बेहतक करने के लिए गाय का घी बेस्ट है। रोजाना रात में सोने से पहले गुनगुने एटू गाए घी से पैर के तलवों की मालिश करें।

सौंफ का पानी

सौंफ का पानी शरीर के अंदर की गर्मी को कम करने का काम करता है। इससे पाचन बेहतर रहता है और एसिड से जुड़ी हीट की समस्या कम होती है। इसके लिए सौंफ के बीज को पानी में रातभर के लिए भिगोएं और फिर अगली सुबह छानकर पिएं।

शीतकारी प्राणायाम

ये शरीर को तुरंत ठंडा करता है और स्ट्रेस के साथ शरीर की गर्मी को भी कम करता है। इसे रोजाना 5 मिनट करें।

करेले की सब्जी बनाने की एक बेहतरीन रेसिपी

करेले की कड़वाहट की वजह से बहुत से लोग इसे खाने से कतराते हैं, लेकिन अगर इसे सही तरीके से बनाया जाए, तो यह बेहद टेस्टी लगते हैं। बहुत से घरों में करेला भरवां तरीके से बनाया जाता है, लेकिन इसकी सूखी सब्जी भी स्वाद में जबरदस्त लगती हैं। हम आपके लिए सूखे करेले की सब्जी बनाने की एक बेहतरीन रेसिपी लेकर आए हैं।

करेले की सूखी सब्जी बनाने की सामग्री

आधा किलो करेला, आधा छोटा चम्मच बेसन, दो बड़े चम्मच सरसों का तेल, एक छोटा चम्मच जीरा, आधा चम्मच कलौंजी,एक चम्मच नमक, दो बड़े चम्मच नींबू का रस, दो चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, दो चम्मच धनिया पाउडर, एक चम्मच हल्दी पाउडर हल्दी पाउडर, एक चम्मच जीरा पाउडर, एक चम्मच सौंफ, एक चम्मच गरम मसाला, 7-8 मेथी दाना, एक चम्मच साबूत धनिया, दो चुटकी हींग, आधा छोटा चम्मच आमचूर पाउडर, कसूरी मेथी, कटा हुआ हरा धनिया

करेले की सूखी सब्जी बनाने की विधि

करेले को पानी से धो लें और फिर गोल-गोल थोड़ी मोटी स्लाइस में काट लें। अब इन्हें एक कटोरे में रखें और ऊपर से नमक डालें। अच्छे से हाथों से मिक्स करें और फिर जब पानी निकलने लगे तो करेले को हाथों में लेकर अच्छे से निचोड़ लें और फिर एक तरफ रखें। अब अलग रखे करेले में लाल मिर्च पाउडर, भुना जीरा पाउडर, धनिया पाउडर, बेसन और हल्दी पाउडर डालें। अच्छे से मिक्स करें और फिर इसमें थोड़ा सरसों का तेल डालकर कुछ देर के लिए रख दें। अब एक कढ़ाई में सरसों का तेल गर्म करें और फिर जीरा, मेथी दाना, हींग, सौंफ, कलौंजी डालकर अच्छे से चटका लें। फिर मसाले के साथ मिक्स किए करेले को तेल में डालें और अच्छे से मिक्स कर लें। जब करेले अच्छे से पक जाएं तो इसमें नमक और अमचूर पाउडर और गरम मसाला पाउडर डालें। अंत में हरा धनिया डालें और सर्व करें।

पार्टी-फंक्शन के लिए करें साड़ियों का चुनाव

साड़ी का फैशन कभी पुराना नहीं होता, बस वक्त के साथ इसे पहनने के स्टाइल बदल जाते हैं। बनारसी, कांजीवरम और सिल्क जैसी साड़ियां आज भी सदाबहार हैं और महिलाओं की पहली पसंद बनी हुई है। अगर आप भी साड़ी लवर हैं और हर पार्टी-फंक्शन में साड़ी पहनना पसंद करती हैं, तो आपकी वॉर्डरोब में कुछ खास डिजाइन और पैटर्न वाली साड़ियां जरूर होनी चाहिए। इन खास साड़ियों को पहनकर न सिर्फ आपका लुक रॉयल लगेगा, बल्कि एक अलग ही एलिगेंस फील होगा। स्टाइलिश कोच आशी वर्मा ने ऐसी साड़ियों के बारे में बताया है, जो हर महिला की अलमारी में जरूर होनी चाहिए। उनका कहना है कि इन साड़ियों को कैरी करके आप किसी महारानी से कम नहीं लगेंगी और हर मौके पर सबसे अलग और खूबसूरत नजर आएंगी।

1- बनारसी सिल्क साड़ी

बनारसी साड़ी का पैटर्न कभी पुराना नहीं हुआ। गोल्डन बॉर्डर के साथ बनारसी साड़ी को हमेशा से रॉयल्टी और क्लास के लिए जाना जाता है। इसकी खासियत है इसका बारीक जरी वर्क और रिच सिल्क फैब्रिक जो हर खास मौके के लिए परफेक्ट होता है। बनारसी साड़ी का हैवी वर्क आपको रॉयल लुक देगा।

2- टिशू सिल्क साड़ी

आजकल बॉलीवुड एक्ट्रेस का फेवरेट रॉयल ट्रेंड बन चुकी है टिशू सिल्क साड़ी। इसका हल्का, शिमरी और ग्लॉसी टेक्सचर इसे बेहद एलिगेंट और लग्जरी लुक देता है। इसमें गोल्डन या सिल्वर शीन होती है जो लाइट में खूबसूरती से चमकती है, नाइट पार्टी के लिए ये परफेक्ट होती है।

3- कांजीवरम साड़ी

साउथ इंडियन रॉयल लुक के लिए कांजीवरम साड़ी सबसे बेस्ट रहेगी। कांजीवरम साड़ियां अपनी रिच सिल्क क्वालिटी और चौड़े गोल्ड बॉर्डर के लिए जानी जाती है। ये साड़ी सिर्फ साउथ ही नहीं बल्कि पूरे देश में रॉयल लुक के लिए जानी जाती है। मोटे सिल्क फैब्रिक और कॉन्ट्रास्ट बॉर्डर इसे बेहद ग्रेसफुल बनाते हैं। किसी खास मौके के लिए ये साड़ी बेस्ट रहेगी।

हनीट्रैप और अपहरण की सनसनीखेज साजिश का पर्दाफाश

दुर्ग पुलिस ने चंद घंटों में बालक को छुड़ाया

भांजा ही निकला मास्टरमाइंड

भिलाई/अमलेश्वर। दुर्ग पुलिस ने अपहरण की एक ऐसी गुत्थी सुलझाई है, जिसकी साजिश फिल्मी पटकथा जैसी थी। अमलेश्वर थाना क्षेत्र में एक बालक के अपहरण के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज कुछ ही घंटों में इसका खुलासा कर दिया। इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड कोई और नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार का सगा भांजा ही निकला, जिसने हनीट्रैप के जरिए इस वारदात को अंजाम दिया था।हनीट्रैप के जाल में फंसाकर किया किडनैपपुलिस जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से बालक को अपने जाल में फंसाने के लिए 'हनीट्रैप' (एक महिला का सहारा लेकर प्रलोभन देना) का इस्तेमाल किया था। जैसे ही बालक उनके झांसे में आया, आरोपियों ने उसे अगवा कर लिया। इस पूरी योजना का सूत्रधार प्रार्थी का परिचित और सगा भांजा था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।दुर्ग और धमतरी पुलिस का संयुक्त ऑपरेशन मामले की गंभीरता को देखते हुए दुर्ग पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभाला। तकनीकी इनपुट्स के आधार पर पुलिस को आरोपियों के धमतरी की ओर भागने की सूचना मिली। इसके बाद दुर्ग पुलिस और धमतरी पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी की और फिल्मी स्टाइल में आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस की मुस्तैदी से अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर लिया गया है।महिला सहित 05 आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड भांजे सहित कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें साजिश में शामिल महिला भी शामिल है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों का मुख्य उद्देश्य फिरौती या अन्य आर्थिक लाभ हो सकता था, जिसकी विस्तृत जांच जारी है।पुलिस की बड़ी कामयाबी दुर्ग एसपी ने टीम की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। इस सफल ऑपरेशन ने न केवल एक मासूम की जान बचाई, बल्कि अपराधियों के खिलाफ अपहरण और साजिश रचने की संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

कांग्रेस के प्रदर्शन में पुलिस कर्मी झुलसा पुतला दहन के दौरान हुआ हादसा

सेक्टर 9 अस्पताल में भर्ती

दुर्ग। गृहमंत्री के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन में पुतला दहन के दौरान एक पुलिस कर्मी झुलस गया।झुलसा झटकों के दौरान हुए हादसे में घायल पुलिस कर्मी को तत्काल सेक्टर 9 अस्पताल ले जाया गया। दुर्ग के उतई में 5 वर्षीय मासूम से अनाचार की दिल दहला देने वाली घटना को लेकर कांग्रेस ने रविवार को जोरदार प्रदर्शन किया। घटना से आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गृह मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने जलते हुए पुतले को छीनने का प्रयास किया. इस छीनाझपटी में एक पुलिसकर्मी झुलस गया। बता दें,पुतला दहन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और पुतला छीनने के प्रयास में उतई थाना में पदस्थ आरक्षक गिरधारी मंडावी आग की चपेट में आ गए। हादसे में उनका बायां हाथ बुरी तरह झुलस गया। घायल आरक्षक को तत्काल बीएसपी के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

शिवनाथ नदी में डूबने से व्यक्ति की मौत: महमरा एनीकेट में हुआ हादसा, SDRF ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाला शव

दुर्ग। शिवनाथ नदी के महमरा एनीकेट में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां पानी में डूबने से एक व्यक्ति की जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ (SDRF) की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

कंट्रोल रूम की सूचना पर पहुंची टीम- कंट्रोल रूम से मिली सूचना पर जिला सेनानी नागेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर एसडीआरएफ की टीम तत्काल घटनास्थल पर रवाना हुई। एसडीआरएफ प्रभारी घनीराम यादव के नेतृत्व में जवानों ने एनीकेट के गहरे पानी में सर्च ऑपरेशन चलाया।

जवानों ने कड़ी मेहनत से निकाला शव- एसडीआरएफ के जवानों–चंद्रप्रताप जयसेल, ओंकार, सूरज, शारदा, राजेश यादव, राजेश नेताम, दिलीप, महेश, चंद्रप्रकाश और भूपेंद्र सिंह ने काफी मशक्कत के बाद युवक के शव को पानी से बाहर निकाला। शव को बाहर निकालकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

शिनाख्त और जांच में जुटी पुलिस- पुलिस मृतक की शिनाख्त करने और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि युवक नहाते वक्त डूबा या यह कोई अन्य हादसा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अंधे कत्ल की गुथी सुलझाने मे मिली बड़ी सफलता, हत्या के मामले में 1 बालक भी शामिल

बेमेतरा। थाना बेमेतरा के अपराध सदर धारा 103(1) बीएनएस में मृतक अमन ध्रुव पिता सुशील ध्रुव उम्र 24 वर्ष निवासी बेमेतरा को 03 अप्रैल को हनुमान जयंती रैली के दौरान रात्रि लगभग 22.00 बजे प्रताप चौक बेमेतरा के पास साउंड सिस्टम एवं बैन्ड बाजा में नाचते समय किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा पेट के दाहिने भाग में धारदार नुमा वस्तु से प्राणघातक चोट पहुंचाया गया था, मृतक घटना की सही जानकारी किसी को न बताते हुए एक्सीडेंट में राड घुसने की झूठी जानकारी दिया, तबियत खराब होने पर 06 अप्रैल 2026 को प्रातः जिला अस्पताल बेमेतरा पहुंचा, चोट की गंभीरता को देखकर जिला अस्पताल बेमेतरा से हायर सेंटर रेफर किया गया। जिससे मृतक सिम्स बिलासपुर में जाकर इलाज कराया जहां 07 अप्रैल 2026 को इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। बिलासपुर से बिना नंबरी मर्ग डायरी लाकर जांच पर से दिनांक 09.04.2026 को अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध सदर धारा 103(1) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। उक्त घटना के संबंध मे अधिकारियों को सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बेमेतरा भुषण एक्का के नेतृत्व में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, के साथ 01 टीम 19 सदस्यों की गठित कर प्रकरण मे विवेचना कार्यवाही मे लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान घटना स्थल पर दिनांक समय घटना को रैली में उपस्थित लोगो से पुछताछ करने एवं टेक्निकल उपकरण का उपयोग करने से पता चला कि 01 विधि से संघर्षरत बालक के साथ घटना दिनांक को रैली में नाचने के दौरान हुये मृतक के साथ झगड़ा होने की सूचना मिलने पर संदेही से पुछताछ किया गया जो झगड़े मे धारदार नुमा वस्तु से मृतक पर वार करना बताया। प्रकरण में घटना में प्रयुक्त धारदार वस्तु को निशादेही पर बरामद किया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान 01 विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन पर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बेमेतरा भुषण एक्का के नेतृत्व में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, सउनि. जितेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक रघुराज यदु, चंद्रशेखर राजपूत, प्रआर. मोहित चेलक, आरक्षक शिव सेन, इंद्रजीत पाण्डेय, सौरभ सिंह, देवेन्द्र साहू, मनीष मिश्रा, पुरूषोत्तम कुम्भकार, मो. असलम शेख, पुकेश्वर दिल्लीवार, राहुल यादव, नुरेश वर्मा, संजय पाटिल, मुकेश माहिरे, आर. जगमोहन टण्डन सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी की महत्वपुर्ण भूमिका रही।

श्री शंकरा विद्यालय वृत खंड -10 में 71 वें शंकराचार्य जी का जन्म दिवस मनाया गया

भिलाई। श्री शंकरा विद्यालय वृत्त खंड 10 भिलाई में सोमवार को कांची कामकोटि पीठम के नवनियुक्त 71 वें शंकराचार्य,स्वामी श्रीसत्य चन्द्रशेखरेंद्र के 27 वें जन्म दिन के अवसर पर शाला के प्राचार्य बिपिन देशमुख ने स्वामी सत्य चन्द्रशेखरेंद्र के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर और शिक्षिकाओं ने भजन गाकर, उत्साह पूर्वक जन्म दिवस मनाया। वे श्री विजयेंद्र सरस्वती जी के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। उनका जन्म आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के तुनी में , 29 अप्रैल 1999 को वैशाख कृष्ण दशमी, मेष मास, शतभिषा नक्षत्र में हुआ । उनका पूर्व नाम: दुड्डू सत्य वेंकट सूर्य सुब्रमण्य गणेश शर्मा द्रविड़ था 7 श्री श्री सत्य चन्द्रशेखरेंद्र स्वामीजी ऋग्वेद के प्रकांड विद्वान है । इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष वी . रामचंद्रन, सचिव एस. स्वामीनाथन, तथा प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य, प्राचार्य, उप प्राचार्य, प्रधान पाठिकाएँ एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित थे 7 अंत में प्राचार्य महोदय द्वारा प्रसाद वितरण किया गया।

लायन डिस्ट्रिक्ट 3233C, रीजन 6 की रीजन कॉन्फ्रेंस 'पहल' भव्यता, गरिमा और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के साथ संपन्न

भिलाई नगर। भिलाई लयंस क्लब द्वारा शनिवार को लायन डिस्ट्रिक्ट 3233इ के अंतर्गत रीजन 6 की बहुप्रतीक्षित रीजन कॉन्फ्रेंस =पहल= का आयोजन अत्यंत भव्य, सुव्यवस्थित एवं गरिमामयी वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर रीजन के सभी क्लबों के लायन सदस्य, पदाधिकारी एवं कवर्धा क्लब, बेमेतरा क्लब, महासमुंद क्लब व अनेक गणमान्य अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः पंजीयन एवं स्वागत सत्र से हुआ, जहाँ आत्मीयता एवं उत्साह का वातावरण स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा था। उद्घाटन सत्र में अतिथियों के मंचासीन होने के पश्चात रीजन चेयरपर्सन ऋऋ लायन शांतिलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने स्वागत उद्बोधन में उन्होंने बड़े ही गर्मजोशीपूर्ण एवं आत्मीय भाव से सभी अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया, जिससे पूरे सभागार में अपनत्व का वातावरण निर्मित हुआ। ध्वज वंदना का पठन लायन सरिता दोषी द्वारा किया गया, जिसमें विशेष रूप से भारत माता की वेशभूषा में लायन ज्योति लुनिया एवं छत्तीसगढ़ महतारी के रूप में लायन शकुंतला साहू, लायन सरिता दोषी, लायन अंजुला सोनी एवं लायन पूजा साहू की प्रस्तुति अत्यंत आकर्षक एवं सराहनीय रही। उद्घाटन सत्र में मंचासीन पी.डी.जी. त्रिलोक बरडिया , राजेंद्र तिवारी ,जयप्रकाश अग्रवाल, नरेंद्र जैन, शैलेश अग्रवाल द्वारा अपने संक्षिप्त किन्तु प्रेरणादायक उद्बोधन प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ़लायन विजय अग्रवाल ने अपने उदबोधन में सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने पर जोर दिया। बिज़नेस एवं रिपोर्टिंग सत्र में रीजन चेयरपर्सन द्वारा रीजन के सभी 12 क्लबों की गतिविधियों को विस्तारपूर्वक पटल पर प्रस्तुत किया गया, जिससे रीजन 6 की सक्रियता एवं सेवा के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से सामने आई।

इस अवसर पर लायन अनिल अग्रवाल ने अपना प्रभावशाली उद्बोधन प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित सदस्यों को नई दिशा और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अवार्ड वितरण समारोह में उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले क्लबों एवं सदस्यों को सम्मानित किया गया, जिससे सभी में उत्साह एवं प्रतिस्पर्धा की भावना का संचार हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन लायन डॉ. रुचि सक्सेना द्वारा अत्यंत आकर्षक, प्रभावी एवं सुसंगठित ढंग से किया गया। उनके साथ जोन चेयरपर्सन लायन सीए मनोज सोनी ने समन्वय करते हुए संचालन को और अधिक प्रभावशाली बनाया।

क्रांति जैन ने स्व. पिता कमल चंद जैन की पुण्यतिथि पर मरीजों के लिए वाटर कूलर दान किया

दल्लीराजहरा। क्रांति मेडिकल स्टोर्स के संचालक क्रांति जैन ने अपनी माता की उपस्थिति में अपने पिता स्व. कमल चंद जैन की पुण्यतिथि पर शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय चिखलाकसा में मरीजों को स्वच्छ एवं शीतल जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाटर कूलर दान किया। वाटर कूलर के उद्घाटन कार्यक्रम में नगर पंचायत चिखलाकसा की अध्यक्ष कुंती देवांगन, उपाध्यक्ष राजू रावटे, पार्षद हेमकुंअर तारम, क्रांति जैन, सुशील जैन उपस्थित रहे। विदित हैं कि क्रांति मेडिकल स्टोर्स के मालिक क्रांति जैन नियमित रूप से सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते है। पूर्व में भी निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं नेत्र शिविरों का आयोजन किया है। कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्सालय प्रभारी डॉ अमित कुमार द्विवेदी, डॉ वर्मा, डॉ एंजेल आभा कुजूर, डॉ पूनम चन्द सोनकर सहित शीतल चौहान, अजाद साहू, त्रिवेणी साहू, राधिका नेताम, सुरेश, चक्करी सोना, सोहम, मनोज यादव, कु. भुनेश्वरी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हज यात्रियों का संभाग स्तरीय प्रशिक्षण : सांसद विजय बघेल और महापौर अलका बाघमार ने दी शुभकामनाएं

इस वर्ष प्रदेश से 815 हाजी जाएंगे मुकद्दस सफर पर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के तत्वावधान में दुर्ग संभाग के हज यात्रियों के लिए एक दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन दुर्ग के पद्मनाभपुर स्थित विवेकानंद भवन में किया गया। इस शिविर में संभाग भर से आए हज यात्रियों को हज यात्रा के दौरान बरती जाने वाली धार्मिक सावधानियों और व्यावहारिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

अतिथियों ने दी मुबारकबाद- कार्यक्रम में मुख्य रूप से दुर्ग सांसद विजय बघेल और नगर निगम महापौर अलका बाघमार शामिल हुईं। सांसद विजय बघेल ने हाजियों को संबोधित करते हुए उनकी सुरक्षित और सफल यात्रा की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि आपको अल्लाह के घर की जियारत का मौका मिल रहा है। महापौर अलका बाघमार ने भी हाजियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

LCD के जरिए मिली तकनीकी जानकारी- प्रशिक्षण के दौरान आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए ब्लड स्क्रीन के माध्यम से हाजियों को हज के अरकान (नियम) और एहराम बांधने का सही तरीका दिखाया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि वहां की भौगोलिक परिस्थितियों और नियमों की जानकारी होने से हाजियों को सफर के दौरान आसानी होगी।

आंकड़ों में हज यात्रा 2026- कमेटी के पदाधिकारियों ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि:दुर्ग संभाग से इस वर्ष लगभग 200 हज यात्री रवाना होंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश से कुल 815 हज यात्रियों का चयन इस पवित्र यात्रा के लिए हुआ है।

प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित हाजियों ने इस आयोजन को काफी मददगार बताया और कहा कि इससे उनके मन की शंकाएं दूर हुई हैं। शिविर के अंत में सभी हाजियों के लिए दुआ का भी आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय मंच पर चमकी समाधान महाविद्यालय की छात्रा, आरुषि शर्मा ने जीता कांस्य पदक, जिले को किया

बेमेतरा। समाधान महाविद्यालय के लिए गर्व का क्षण तब आया जब बी.एससी. (बायो) द्वितीय सेमेस्टर की प्रतिभाशाली छात्रा आरुषि शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर की थ्रोबॉल रोबॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि ने न केवल महाविद्यालय, बल्कि पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता में देशभर की टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रही, जिसमें आरुषि की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और टीम वर्क का परिचय देते हुए यह सफलता अर्जित की। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर महाविद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं समस्त छात्र-छात्राओं में हर्ष का माहौल है। सभी ने आरुषि को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन और समर्पण से छात्र किसी भी मंच पर अपनी पहचान बना सकते है। थ्रोप रोबॉल एक उभरता हुआ इनडोर खेल है, जिसे वॉलीबॉल और हैंडबॉल का संयोजन माना जाता है। इस खेल में खिलाड़ी गेंद को पकड़कर विरोधी क्षेत्र में गिराते हैं, जिससे खेल में तेज निर्णय क्षमता, संतुलन, रणनीति और टीम भावना की आवश्यकता होती है। यह खेल न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक सजगता, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को भी विकसित करता है। समाधान महाविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देने के लिए जाना जाता है। यहां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे वे न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में, बल्कि खेल और अन्य गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। आरुषि शर्मा की यह उपलब्धि इसी समग्र शिक्षा प्रणाली का परिणाम है। यह सफलता अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और यह संदेश देती है कि समर्पण, मेहनत और सही दिशा में प्रयास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com